

१५८ दोपैत्रम्

२५.८.१९६६

स्वास्थ्य विभाग का १०११०७ी ग्राहक संबिल

नामालय	उपजिल्लापाली/सहायक कर्मचारी (उत्तम श्रेणी)	ग्राहकावाद
दाता संख्या	१८/०५-१५	अन्वरील संख्या ८८१ उत्तम जनीदारी विभाग आधिकारी
ग्राम खूड़होड़ा	पटना	लोनी
मै० अरेजो लवलेपर्स प्राठ० लिं०	भजन	तहसील ८ तिला ग्राहकावाद
		मै० ट्रांसरिंस इन्फ्रारेटर्स प्राठ०

नमूल विषय दिन २५.८.६६

यदी अरेजो लवलेपर्स प्राठ० लिं०, बी-४७, चन्द्रह एस नं० दिल्ली हाला निष्ठा इवान की ओर से प्राथमि पञ्च दिनोंक २२.८.२००० दस आशय से प्रतुप लिया है कि इस ग्राथन पञ्च के रात्मानक के पैसा-१, मै बिश्व नूरी ग्रामीण प्रथम पञ्च संघागारीय गृहिणी खालीदार है। प्रथम पञ्च इस गृहि द्वारा द्वितीय पञ्च के विनियोग में देखा जाहता है। इस प्राथमि दाता के रात्मानक के पैसा-२ मै बिश्व गृहि के द्वितीय पञ्च संघागारीय गृहिणी खालीदार है। इस गृहि को प्रथम ग्राम विनियोग में लेना चाहता है। १०५० शासन की प्रदेश के नगरीय दोनों मै जिली गृहि विभाग के ग्रामीण दो अस्त्रांगी ग्रामीणों ने शिर गृहि अर्जन एवं विकास की चौकि के अन्वरील उत्तर दोनों ग्रामों ने ग्राम खूड़होड़ा ग्रामीण दोनों मै रिष्ट नाले के पूर्वी तथा पश्चिमी घारवां मै अनारोय ग्रामीणों के विकास हेतु गृहि अर्जित की है। १०५० शासन की उक्त नीति को सुनियोजित विवाहन के लिए यह पारस्परिक विनियोग जागरूक है। दोनों पञ्च दस पारस्परिक विनियोग के लिए पूर्वी लिया है वयों के बह दोनों पञ्चों के लिए सुनियोजित है। विनियोग में दो जाने वाली गृहि के जाने वाली गृहि के जाने वाली गृहि के लगानी गृहि मै १० प्रतिशत से अधिक २० अन्तर रही है। विनियोग जी जाने वाली गृहि को पठ्ठे वर रा बंधवा नहीं है और न दी इस ग्राम अध्य बोर्ड गार है। यादे हाला उत्तरण खालीनी १४०० से १४३३ परस्ली आग खूड़होड़ा जाता रहता १०३२, १२०३, १९६७, २२३२ व २३११ दायित्व की गई है।

प्राथमि पञ्च पर उत्तरीलाला वाहिनावाद से आख्या प्राप्ता की गई। उत्तरीलाला ग्रामियावाद की आख्या दिनोंक ०६-७-२००६ प्राप्ता हुई। "लहरील आख्या मै गहरा गमा है कि सेषपाला के गारा उपलब्ध खिल्ल दबोचरा से प्राप्त लालार संघागारी से इस गृहि के लिए जापीन के अनुसार उत्तर परता रेट जाता लिया गया तथा दोनों ग्रामों के गृहिणी का एकान्तराला विवरण पञ्च रेटर विव्यु गया। ग्राम खूड़होड़ा की गृहि जो प्रथम पठा गी संघागारी गृहिणी है तथा विनियोग दृष्ट्य प्रस्तावित है।

मै० अरेजो लवलेपर्स प्राठ० लिं०

मर्त्यान आताक्षर	संख्या सं०	क्षेत्रफल	विस्तर जारीन	लगानी दर प्रति वीप्त	लगानी दर प्रति ई०	लगानी मूल्यवाल	विवरण
१	२	३	४	५	६	७	८
१९६७	७१८	०.२००३	रोपटा सं०	२.७२	१०.७४	२२३९	
	८२४	०.०३०८	रोपटा रो०	२.६१	९.६२	१२२३५	
२३६३	०२३/१	०.०२७१	मेपटा दो०	२.७२	१०.७४	१०१०५	
२२४२	९२३/२	०.०५०३	लेपटा दो०	२.७२	१०.७४	५६७	



१. उत्तरण ग्राम लिया १०.७४
२. उत्तरण ग्राम लिया १०.७४
३. उत्तरण ग्राम लिया १०.७४
४. उत्तरण ग्राम लिया १०.७४

लिया गया
लाला ग्राम

ATTESTED

महाराजा अनंत
१५.८.६६.३३०

1002	721	0.1142	सेवटा ३०	3.67	14.50	1.683
778		0.1770	सेवटा ३०	3.67	14.50	2.9865
1025/1		0.2070	सेवटा ३०	3.67	14.50	3.4365
1011		0.3160	सेवटा ३०	3.67	14.50	4.532
792		0.9730	सेवटा ३०	2.72	10.74	0.9182
		1.2857				10.6931

ग्राम कुडक्केला की नूरी जो द्वितीय पक्ष की संकेतनीय गृहांशी है तथा लिमेस्या द्वारा प्रथम पक्ष की नूरी मिलती है, के खसरों का टिकरण :-

ग्राम कुडक्केला प्राप्त लिमेस्या

कागिन लागत	खसरों की	सेवटा	विस्त्रित जागीर	लगानी दर	लगानी दर	लगानी दर	विस्त्रित
लागत	लागत	लागत	प्रति वर्षीय	प्रति हैरा	प्रति हैरा	प्रति वर्षीय	लागत
1200	1047	0.1024	सेवटा ३०	3.67	14.50	9.098	
2232	1267	0.2488	सेवटा ३०	2.72	10.74	2.1029	
1060		0.0396	सेवटा ३०	2.72	10.74	9.4250	
1057		0.1100	सेवटा ३०	3.67	14.50	1.595	
1050		0.1040	सेवटा ३०	3.67	14.50	3.1973	
1095		0.1275	सेवटा ३०	2.72	10.74	1.3964	
		1.2064					16.1356

प्रथम पक्ष की लगानी भूलांकान
द्वितीय पक्ष की लगानी भूलांकान
अंतर
% भूलांकान

16.0281

16.1356

0.5575

3.45%

उपरोक्त तुलनात्मक निवरण से यह रफ़ाइ है कि दोनों पक्षों के नध्य लिमेस्या जागे पाले विस्त्रित के लिए प्रत्यावैता असारा संरक्षणों के लागती रेटों में 10 प्रतिशत की कम या अन्तर है। दोनों पक्ष उनके गुभियों के राजनायिक गृहिनार हैं। इसलिये मार्ग : ११ जीवितजीवित के अकार्यत आवेदन, की भूगि के विस्त्रित किये जाने की संस्कृति राहित आख्या सेवा में प्रैषित है।

याद दर्ज कर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, गाजियाबाद व नगर निगम गाजियाबाद को लायालय के एवं संख्या 479/अड्डानन्द/2006 दिनेंक 07.07.2006 के द्वारा प्रसोबत नस्तरों के विनाय के सम्बन्ध में आपत्ति/आख्या दिनांक 16.07.2006 तक उपलब्ध कराने के लिए जोहित जारी किया गया किन्तु इनकी ओर से नियत दिनांक तक कोई आपत्ति/आख्या उपलब्ध नहीं कराई गई है। लग्जरी सरकार को पिछान नामिका लकील राजस्व के भाव्यम् से पैरवी करने हेतु राया जारी किया गया हैनहीं दोनों से भी कोई आपत्ति/आख्या लिखित में प्रस्तुत नहीं की गई।

लगाव पको के अधिकारागती या विद्युत जलीय संस्थान द्वारा उपर्याखीय पर उपलब्ध रागतों लाइनों का गवाहणा किया जाता। पहली बार अगस्त 1977 को दिनीय नं. 07, जलावट दो २७४ है जिसमें आम दूरभाषण की प्रस्तुति गृहीत बनी/परिवर्ती बनी लोकनामीय गृहिणी शूष्मा है एवं दोगो पको दो पक्ष किसी जाने वाले विनियोग के लिए ग्रस्तादित रासर राज्याओं की प्रस्ता रेटों में १० प्रतिशत रो का गा जा अन्दर है और जुटियोंपित के द्वारा इन दो ग्रामिणों के अनुराग उपरोक्त विनियोग के लिए ग्रस्तादित गृहिणी को लगानी रेटों में १० प्रतिशत से ज्यादा जा अन्दर है इसको अधिकत जालील बी जी आद्य गृहिणी ज्यादा विनियोग किसी जाने वाली राज्याली बनी गई है तथा किसी भी पक्ष को फोर्ड आपत्ति नहीं ही जाती। पक्षावली नं. १० रागत राज्यों के आगार पर पाली का प्रार्थना पक्ष रखीवर लगाते हुए प्रस्तुति गृही ने विनियोग किया जाना चिह्नित प्रतीत होता है।

उपरोक्त विवेचना को आगार पर दादी गै० गरेजो लैकोपरां प्रा० लिं०, ली०-४२, कनाट फ्लैस, नई दिल्ली के याद दूरभाषण को लाला राज्य 1967 को खरात नामक ८१३ रकमा ०.२०००, १२४ रकमा ०.०६०० व अला राज्य 23८९ के खरात नाम्यर ९२३/१ रकमा ०.०२७१, याता राज्य २२४२ के लंबिता नाम्यर ९२३/२ रकमा ०.०५०० व खाला संख्या १००२ को खरात नाम्यर २२७ रकमा ०.११५०, खरात नाम्यर ७८६ रकमा ०.१७२०, खरात १००५/१ रकमा ०.२३७०, खरात नाम्यर १४११ रकमा ०.३७०० व खस्त नाम्यर ७९२ रकमा ०.०७०० है० यही गृही दो प्रतिभानी गै० गरेजो इफारद्वारा प्रा० लिं०, ३०५, अस्त्राचंल लिंडेंग, १० बाराख्या लोड, यूनॉन लोरा, यही दिल्ली ग्राम दूरभाषण के खाला राज्या १२०३ को खरात नाम्यर १०४७ रकमा ०.०६३२५, याता राज्या २२३२ के खरात नाम्यर १२६७ रकमा ०. १९५०, खरात नाम्यर १६५६ रकमा ०.०३९६, खरात नाम्यर १६५७ रकमा ०.०११० लाला नाम्यर १६५३ रकमा ०.१०१८ व असरा नाम्यर १६९६ रकमा ०.१२७५ है० यही गृही दो विनियोग रखीवर किया जाता है। आदेश भी एक प्रामाणित प्रतिलिपि रहस्यीलदार गोपियाद्य द्वारा कुछ अधिक दो गोपी जाये कि वह उपरोक्त आदेशों का राज्य वापिलेखों गे अन्त घराते हुए अनुप्रलग जाएगा एक रापाइ के अन्दर इस न्यायालय के उपराव बालना सुनिश्चित होते।

८०-१२२७१६
(वर्षन्द्र भपाप लिं०)
उगमितामीवाली/सहायता बहुवर
(प्रश्न थेली) गतियावाद।



नक्का दो १०४३-

श्री ८ ओमेश

न्यायालय
वाद संख्या
आप दूर्घातेरामजिलाधिकारी / राहगारक कलेक्टर गुग्मिष्ठी
२/८५/०६ परगनाअन्वयन दास १६४ उम्मीदवारी विनाश अधिनिका
लोनी लहसील व जिला गाजियाबाद

गै० यूद्धि प्रोगर्टीज प्रांलिं

ज्ञान गै० सुपर टैक कन्स्ट्रक्शन

नक्का निषेध दिनांक २७.०८.०६

गै० यूद्धि प्रोगर्टीज प्रांलिं, वी.४७, कनाट प्लेस, नई दिल्ली हस्त चिकित्सक नी और वे डाक्टरी पत्र दिनांक २२.०४.२००६ इस आशय से प्रत्युत्त पिया है कि इस प्रार्थना पत्र के संलग्नक को गै० १, गै० वर्षित गृहि का प्रार्थी प्रथम पक्ष रामजिलाधिकारी गुग्मिष्ठी द्वारा दाता है। प्रथम पक्ष इस गृहि को द्वितीय पक्ष को विनियम में देना चाहता है। इस प्रार्थना पत्र के संलग्नक को गै० २ में खार्ड गृहि के द्वितीय पक्ष रामजिलाधिकारी गुग्मिष्ठी द्वारा दाता है। इस गृहि को इस पक्ष विनियम में लेना चाहता है। ०००५० खाली की प्रदेश की नगरीय क्षेत्रों में निजी पूँजी विवेश के माध्यम से आदारीय योजनाओं को लिए गृहि आर्जन एवं विनाश की नीति के अन्तर्गत उच्च दोनों पक्षों ने याम दूर्घाते परम्परा लोनी में स्थित नाले के गृही तथा परिवारी गाझरों में आवासीय योजनाओं के विकास हेतु भूमि अर्जित की है। उपर्युक्त रासाग की उक्त नीति वो गुनियोजित विवाद्यन के लिए यह परस्परिक विनियम आवश्यक है। दोनों पक्ष इस परस्परिक विनियम के लिए यूरोप राष्ट्रों के द्वारा देखों के लिए सुविधाजनक है। विनियम में दी जाने वाली गृहि के लागती गत्य तथा विनियम में सीधी जाने वाली गृहि के लागती गत्य में १० प्रतिशत से अधिक वा अन्तर नहीं है। विनियम की जाने वाली गृहि विस्तीर्ण एवं एटटे पर या चंपल नहीं है और वही इस पर अन्य गोई भार है। वारी ०१ से उद्धरण खतोंनी १४०६ से १४१३ पक्षाली ग्राम दूर्घाते खाली संख्या ११२३, २२३२, ११८६ व १६५७, ०१५७ दाखिल की गई है।

प्रार्थना पत्र पर तहसीलदार गाजियाबाद से आशय प्राप्त की गई। तहसीलदार गाजियाबाद की आशय प्राप्त की गई। तहसील आलोग में कल गया है कि लेखाल के पारा उपलब्ध लिल वन्दोवरत से प्रश्नाता अरासा रामजिलाधिकारी है इस गृहि की विनियम के अनुसार उन्होंने परम्परा रेट ज्ञात किया गया तथा दोनों पक्षों की गृहियों ने तुलसालाम विनियम पत्र लैथार किया गया। याम दूर्घाते की गृहि की प्रथम पक्ष की रामजिलाधिकारी गुग्मिष्ठी ने इस परिनायक द्वारा प्रस्तावित है।

गै० यूद्धि प्रोगर्टीज प्रांलिं

क्रमांक खालील	खारा सं०	क्षेत्रफल	विनाश जारी	लगानी दर	लगानी दर प्रति दौ०	लगानी गुणांक	विवरण
१	२	३	४	५	६	७	८
११२३	८५५/१	०.०१६०	सेवा दो	२.७२	१०.७४	०.१७	
	८४५/२	०.०२३०	सेवा दो	२.४१	४.४१	०.२४	
		०.०२	सेवा दो	०.३५	१.३५	०.११	
१६५७	३१०	C.१२३५	सेवा दो	३.६७	१४.६०	१.०३४३	
१४५	३०९/२	०.००८५	सेवा दो	२.७२	१०.७४	०.७०८५	

१. आशय का नियम १०.४०.६
२. आर्जन की नियम १०.४०.६
३. आर्जन की नियम १०.४०.६
४. लालम की ६५००

पक्ष वाली	W.
प्रथम पक्ष	W.

ATTESTED

MUINAD AHSAN ALI
No. 1.D.M. Q.Z.B

024	0.0286	संकटा अ०	3.67	14.50	0.4132
1659	790	संवटा दो	2.72	10.74	0.2941
347	0.0252	सेवटा अ०	3.67	14.50	0.366
587/2	0.0157	संकटा न०	2.72	10.74	0.1686
741	0.1202	संदटा अ०	3.67	14.50	1.7429
747	0.0285	सेवटा अ०	3.67	14.50	0.4133
790	0.0222	संवटा दो	2.72	10.74	0.2384
	0.5783				6.8247

प्रथम दूसरीतीला नहीं गुणी जो द्वितीय पक्ष यांचे संभागाचीय गृहिणी ही तथा विनियम द्वारा प्रथग पक्ष यांचे गुणी विलेली हो, को खासरात्री यांचे विवरण —

मे० सुपरटेक नान्ददत्तवरण

वर्तमान स्थानातील	खासरात्री रात्री	दैनंदिन विवरण जारीवा	लगानी दर प्रति शेषा	लगानी दर प्रति हॉ	लगानी मूल्यांकन	विवरण	
1	2	3	4	5	6	7	8
2232	1207/1	0.1772	संकटा दो०	2.72	10.74	1.9100	
	1657	0.0842	सेवटा अ०	3.67	14.50	1.45	
	1658	0.2004	संवटा अ०	3.67	14.50	2.906	
	1600	0.1150	सेवटा दो०	2.72	10.74	1.2437	
		0.5783				7.2811	

प्रथम इत यांचे लगानी मूल्यांकन 6.8247

द्वितीय पक्ष यांचे लगानी मूल्यांकन 7.2811

आनंद 0.4664

% मूल्यांकन 6.69%

उपरोक्त तुलनात्मक विवरण से यह सापेक्ष है कि दोनों पक्षों के भव्य किये जाने वाले विनियम को लिए प्रत्यापित खासरात्री रात्रें आंदोलनात्मक रूपांतरणातील रेटों में 10 प्रतिशत से क्षेत्र का आनंदर है। यांत्री पक्ष उक्त गृहिणी के संभागाचीय गृहिणीपर है। इसलिये धारा 161 वर्गविधिओं के अन्तर्गत आवेदक यी गृहिणी विनियम अनेक जांत यांची संस्कृति सहित आज्ञा रेता में प्रेरित है ”

वाद दर्शी कर जाजिरात्राद विकास प्राधिकारण, नांगोड़ा व नगर विभाग गोपनीयावाद को अध्यालय के द्वारा संख्या 479/अहलम५/2006 दिनांक 07.07.2006 के द्वारा उपरोक्त नवरोप के विनियम के सुधारन्तर में आपली/आख्या दिनांक 15.07.2006 तार्थ उपलब्ध कराने के लिए नोंदिस जारी किया गया किन्तु इनकी ओर से नियत दिनांक तक कोई आपली/आख्या उपलब्ध नहीं घासाई दिन के उपरोक्त रात्रें यांची विहार वापिस लवक्षित रात्रें रात्रेव के गाठ्या रो विवरणी करने हेतु रागन जारी किया गया इनकी ओर से यी कोई आपली/आख्या लिखित में प्रस्तुत नहीं की गई।

उम्मा वटो की अधिकारीयता के लिए नामित वर्षीय उचितवाद के तर्जे नहीं लग सकता। एवं उपर्युक्त रामरत्न साहबो का परेशान किया गया। उहसील की जीच शास्त्री डैनेंजो लाल शाहुल रो रपहत है कि धारा ७०५४ मूर्गी चाकी/पांडीचाकी की संतुलिती गृहिणी नहीं है एवं दोनों पक्षों के बावजूद जिनमें जाने वाले विनियम के लिए प्रस्तावित खाद्य अंकुड़ों के लक्षणीय रेटों में १० प्रतिशतांशु का ज्ञान अवश्य है वृक्ष जागृतिअधिकारी वर्षी पारा ५६१ के प्राधिकारी के बानुराम उपर्युक्त विनियम के लिए प्रस्तावित गृहिणीयों के लापानी रेटों में १० प्रतिशत रो कम का अवश्य है इसके अतिरिक्त उहसील की जीच आंड़ा में उपरोक्त शूष्मि वा विनियम किये जाने वाले रान्नदूति की गई है राष्ट्र मिली गी पक्ष को कोई अधिकारी नहीं है आता गन्धीजी एवं उपर्युक्त साहबों के अधीन एवं वाली जन प्रार्थना पत्र रवीनगर क्षेत्रे हुए प्रश्नागारा गृहिणीजो विनियम विनियम लाना चाहिए प्रतीत होता है।

आदेश

उपरोक्त विनेचन के अधीन पर चाली मौ० वृक्ष प्राप्तीज्ञ प्राप्तिज्ञ, वी-४२, कनाट अदेश, नई घूली की खाता रास्ता ११२३ के खारासा नम्बर ८५५/१ रखना ०.०१००, खरासा नम्बर ८५५/२ रखना ०.०२५०, खारासा नम्बर ८५२ रखना ०.००३०, खाता रास्ता १८५७ की खारासा नम्बर ३१६ रखना ०.१२६३ खाता रास्ता १४५ के खारासा नम्बर ३०९/२ रखना ०.०६८६ व खारासा नम्बर ०९५ रखना ०.०२८५ व खाता रास्ता १६५९ के खारासा नम्बर ७०० रखना ०.०१५०, खरासा नम्बर ३४७ रखना ०.०२५२ व खारासा नम्बर ९०२/२ रपन्या ०.०१५७, खरासा ७४५ रखना ०.१२०२, खारासा ७५७ रखना ०.०२८५, खारासा ७९० रखना ०.०२२२ है० की भूमि एवं प्रतिवादी मौ० रुपर देव नन्दराजन, ३३१, शैवर-५, मैत्राली गाँधीजीवाद के खाता रास्ता २२३२ के खारासा १२६७/१ रखना ०.१७७९, खरासा नम्बर १६५७ रखना ०.००४२, खरासा नम्बर १०५८ रखना ०.२०३४, खरासा नम्बर १६९० रखना ०.११५४ है० की भूमि रो विनियम रवीनगर मिला जाता है। आदेश की क्रमागांठ प्रतिवादी ताहरीजायद गाँधीजीवाद की इस अवश्य रो भेजी जाये कि वह उपरोक्त आदेशों को राजसन अभिलेखों में अगले दसमांस बारते हुए अनुप्राप्त आदेश एवं सफाई के अन्दर इस ज्यायामाद वाले उपलब्ध जरान्य सुमित्रिता करे।

(स्पौत्त व्रताल रिंग)
नामितवाचिकारी/राजावक वालनगर
(प्रश्ना श्रीनी) गाँधीजीवाद,



मृत्यु नं. ०१७

व्यायामय विवरण के साथ ग्रन्ति का घटना स्थान

२००५ लोरेंस

न्यायालय
वाद संख्या २०/०६/०६
ग्राम दूषाहेडा

उपजिल्लापिकारी/सहायक कलेक्टर (प्रथम श्रेणी)
अन्तर्गत धारा 161 उप्रा। जारीदारी विनाश आधिकारिक
पत्रका लोनी हास्तांतर विवाद विवरण वार्ता वार्ता

मैं० लिल के रिक्ल एस्टेट प्राप्ति वाम मैं० सूर्यो भर्चन्द्रस लिं०

मृत्यु निधन दिन २९.२.०५

वादी गै० लिला के रिक्ल एस्टेट डब्ल्यूपरा प्राप्ति विवाद, धा. ४७, वनाट लोस, नई विल्सनी द्वारा परिदृष्टि प्राप्ति की और रो प्राप्ति। गवर्नर के दिनांक २२.०४.२००६ इस आशय से प्रस्तुत किया है कि इस प्राप्ति पत्र के रास्तानक के ऐसा-१, गै वर्षित मूर्मि का प्राप्ति प्राप्ति पत्र संकल्पनाय मूर्मिर सातोदार है। प्राप्ति पत्र के रास्तानक के ऐसा-२ में वर्षित मूर्मि के हितात्मा पत्र संकल्पनाय मूर्मिर सातोदार है। इस प्राप्ति पत्र के रास्तानक के ऐसा-३ में वर्षित मूर्मि के हितात्मा पत्र संकल्पनाय मूर्मिर सातोदार है। इस मूर्मि के प्राप्ति पत्र लिंगियता में लेना चाहता है। उप्रा। शासन की प्रदेश की समर्पण क्षेत्रों में निजी पूजी निवेश के साक्षण रो जावासीय योजनाओं के लिए भूमि अर्जन एवं विकास की नीति के अन्तर्गत उक्त दोनों घोष ने ग्राम सूर्यो द्वारा नरगना लोनी में रिश्ता जाने के बीची सभा परिवर्ती पारस्तों में जावासीय योजनाओं के विकास होने की भूमि लिंगित की है। उप्रा। शासन की उक्त नीति के तुनियोजित क्रियानाम के लिए यह प्राप्ति प्राप्ति विविध आवश्यक है। दोनों घोष इस प्राप्ति प्राप्ति को लिए पूर्णता राखना है क्योंकि यह दोनों पक्षों के लिए सुविधाजनक है। विवेद भूमि के लगानी मूल्य में १० प्रतिशत से अधिक का अन्तर छह है। विविध की जाने वाली भूमि किसी को बढ़ावा देने की विविध की जाने वाली भूमि के लगानी मूल्य में १० प्रतिशत से अधिक का अन्तर छह है। वादी द्वारा उद्धरण खानी १४०६ से १४१३ फरवरी ग्राम सूर्योहेडा खाना संख्या १०६, ११३०, द २२३२ राखिल की गई है।

प्राप्ति पत्र पर राहसीलदार गाँजियाबाद से आख्या प्राप्ति की गई। राहसीलदार गाँजियाबाद की आख्या विनांक ०६/०७/२००६ प्राप्त हुई। "राहसील आख्या में यहां गया है कि लेखपाल के पास उपरान्त जिल्द बन्दोबरह से प्रश्नगत खसरा राज्याओं से इस भूमि की किसी जर्मीन के अनुसार उपगत गत्ता रेट छात किया गया तथा दोनों पक्षों की नूनियों का तुलनात्मक विवरण पत्र तैयार किया गया। प्राप्ति दूषाहेडा की भूमि जो प्रथम पत्र की संकल्पनाय मूर्मिर है वादा विविध द्वारा प्रस्तावित है।

गै० लिला के रिक्ल एस्टेट उपलब्ध प्राप्ति लिं०

क्रमांक खानांक	खसरा सं०	क्षेत्रफल	विवरण जारीन	लगानी दर	लगानी दर प्रति वीधा	लगानी दर प्रति हौ	लगानी मूल्यांकन	विवरण
१	२	३	४	५	६	७	८	
१४०६	९४८/१	०.२११८	सेप्टा दो०	२.७२	१०.७४	२.२७४७		
	९४८/२	०.२१३०	सेप्टा दो०	२.७२	१०.७४	२.२८७६	१.५०२३	

१. वार्षिक दर १०.७४
२. वार्षिक दर १०.७४
३. लगानी दर १०.७४
४. लगानी दर १०.७४

वार्षिक दर १०.७४
लगानी दर १०.७४

ATTESTED

CRIMINAL POLICE DEPT.
TO S.O. NO. 078

प्राग् दूर्लक्षिता की भूमि जो हिन्दीन पठा की संक्षमणीय भूमिधरि है तबा विनियम हारा प्रभाप नक्ष को भूमि मिलनी है, के खराली ता विवरण :-

पै0 सूर्या मर्चेन्टस लिं0

नक्षमान खातरां	संख्या सं0	क्षेत्रफल	किसम जमीन	लगानी दर प्रति बीघा	लगानी दर प्रति हेक्टेक्टर	लगानी मूल्यांकन	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8
2232	1287 हिं0	0.0034	सेवदा देह	2.72	10.74	0.5735	
	1056	0.0238	सेवदा देह	2.72	10.74	0.7560	
	1657	0.0360	सेवदा देह	3.67	14.50	0.4350	
	1658	0.0124	सेवदा देह	3.67	14.50	0.1793	
	1696	0.0348	सेवदा देह	2.72	10.74	0.3737	
	1897	0.0506	सेवदा अ0	3.67	14.50	0.7337	
	1701	0.0016	सेवदा अ0	3.67	14.50	0.0232	
	1702	0.0065	सेवदा अ0	3.67	14.50	0.1377	
	1704	0.0555	सेवदा अ0	3.67	14.50	1.0077	
11.30	984	0.0316	सेवदा देह	2.72	10.74	0.3383	
						4.8283	

प्रथम पक्ष का लगानी मूल्यांकन 4 5623

द्वितीय पक्ष का लगानी मूल्यांकन 4 9292

अन्तर 0.365

% मूल्यांकन 8.02%

उपरोक्त तुलनात्मक विवरण से यह स्पष्ट है कि दोनों पक्षों के मध्य विवेद जाने वाले विनियम के लिए प्रस्तावित खसरा संख्याओं के लगानी रेहों में 10 प्रतीक्षा से कम का अन्तर है। दोनों पक्ष उक्त भूमियों के संक्षमणीय भूमिधर हैं। इसलिये भारा 161 जनदिवाधित के अन्तर्गत आवेदक की भूमि का विनियम विवेद जाने की संस्तुति सहित आख्या जोता गई प्रोप्रेत है ॥

यदि दजे कर गाजियाबाद विधान प्राधिकारण, गाजियाबाद व नगर निगम गाजियाबाद को न्यायालय के एव संख्या 479/अहलमद/2006 दिनोंक 07.07.2006 के हारा उपरोक्त नमस्ते के विनियम के साक्षर गे आपलि/आख्या दिनांक 15.07.2006 तक उपलब्ध कराने के लिए नोटिस जारी किया गया किन्तु इनकी ओर से नियम विवाह थल कोई आपलि/आख्या उपलब्ध नहीं कराई गई है। 10040 सरकार को विद्वान नामिक वकील राजस्व के माध्यम से गैरकी करने हेतु संगन जारी किया गया इनकी ओर से नी कोई आपलि/आख्या लिखित में प्रस्तुत गही की गई।

उपर वक्षों के अधितकारणों व विद्वान नामिक वकील राजस्व के तर्कों को चुना गया एवं पत्रावली एव उपलब्ध रामरत शाहदो का परीक्षण किया गया। तहसील वडी जैन आख्या दिनांक 06.07.2006 से स्पष्ट है कि प्राग् दूर्लक्षिता की प्रश्नागत भूमि वादी/प्रतिवादी की संक्षमणीय भूमिधरी भूमि है एव पौ-पक्षों के मध्य विवेद जाने वाले विनियम के लिए प्रस्तावित खसरा संख्याओं के

लगानी रेटों में 10 प्रतिशत से कम का अन्तर है जूँकि ल००८५प्रयि० की धारा १८१ के आविषानों के अनुसार उपरोक्त विभिन्नता विभिन्नता के लिए प्रतिशत दूसियों के लगानी रेटों में 10 प्रतिशत से कम का अन्तर है इसके अद्वितीय सहस्रीन नी जीव आख्या में उपरोक्त भूमि का विभिन्नता किए जाने की रास्ताप्रति की रुई है तथा विभिन्न गी पक्ष को कोई आपरिचय नहीं है अतः पश्चात्काली पर उपलब्ध सहस्री को आधार पर बाढ़ी का प्रश्नाना स्वयं स्वीकार करते हुए प्रश्नगत भूमि को विभिन्नता किया जाना उचित गतीत होता है।

आदेश

उपरोक्त विवेचना के अनुसार पर वादी मैठ लिलाक रेपल एस्टेट लहरेपरा आ० लि०, बी-४८, फलाट लोस, नाई दिल्ली के ग्राम छूल्हाड़ा के खाता संख्या ७०५ के खसरा संख्या १४४/१ रक्का ० ०२११८ व खसरा नम्बर ९४८/२ रक्का ०.२१३० ह० की भूमि का प्रतिशती मौ० रु००५ ग्राम्य-प्रति०८८ लिं० ३३१, रैमर-५, गैराती पर दाम छूल्हाड़ा के खाता संख्या २२३२ के खसरा नम्बर १२६७प्र०० रक्का ०.०८५३४, खसरा नम्बर १६३८ रक्का ०.०२३४, खरारा नम्बर १०५७ रक्का ०.०३००, खसरा नम्बर १६९० रक्का ०.०३५५, खरारा नम्बर १६८७ रक्का ०.०६०६, खसरा नम्बर १७०१ रक्का ०.०११६, खरारा नम्बर १७०२ रक्का ०.०००५, खसरा नम्बर १७०४ रक्का ०.०६९५ व खाता संख्या ११३० के खसरा नम्बर ९४४ के रक्का ०.०३१३ हूँ० की भूमि को विभिन्नता कीजाये जाये तिं यह उपरोक्त आदेशों का लाजत्त्व अधिकारीयों में अमेल प्राप्त वराते हुए अनुपालन काढ़ा। एक सप्ताह के अन्दर इस न्यायालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करे।



१८१८-१८१९
१८१८-१८१९

(धर्मेन्द्र प्रताप रेपल)
राजिनामाधिकारी / सहायक वलेक्टर
(प्रथम श्रेणी) गणियावद

अम्ला सं. 1095

(१८)

श्रीकृष्णजीनी

स्वामीनाथ दास जी की गान्धीजी

गांधीजी
गांधीजी
गांधीजी

उपरिलिखितकारी/सहायक कलेक्टर (दस्तग कोण)
17/05-06
परमामाता गांधीजी की उत्तराधीन अधिनियम
सौनी उत्तराधीन व विद्वा गांधीजीवाद

गैर लिखक रिगल एसटेट डब्ल्यूपर्ट प्राइविले करा। गैर सुपरटेक कर्मदेवशन प्राइविले

लिंग निर्णय दिन २५.५.०६

वापी श्री गांधीजी रिगल एसटेट डब्ल्यूपर्ट प्राइविले नं. ४२, गांधीजी व्हार दरिघ राजगढ़ की ओर से प्राप्तिका पक्का दिनांक 22.04.2006 इस विवाह की उत्तराधीन दिनांक है कि इस प्राप्तिका पक्का राजगढ़ को वैदा-१, मे वर्षित गृहि या जन्मी प्रथम पक्का राजगढ़ की गृहिनी राजगढ़ वाद है। प्रथम पक्का इस गृहि को द्वितीय पक्का को विविग्य गैर देना चाहता है। इस प्राप्तिका पक्का राजगढ़ को वैदा-२ मे द्वितीय गृहि के द्वितीय पक्का राजगढ़ की गृहिनी व्यक्तिदार है। इस गृहि को प्रथम पक्का विविग्य मे लोना चाहता है। उपरांत वार्ता वार्ता को प्रदेशों के भागीदारों मे निवासी गृहि विवेश के गांधीजी से अतारीय योजनाओं के लिए गृहि अज्ञात एवं विवाह की विवित के अवार्ग एक दोनों पक्कों मे प्राप्त इकूलाईडा गरण्याता होनी गैर विवाह काले के पूर्णी सत्त्वा परिवर्गी पाश्वरी गैर गांधीजी योजनाओं के विवाह के इकूल गृहि अंतिम गृहि है। उपरांत शासन वार्ता विवित के लिए शह पारपरिक विविग्य व्यावर्यगत है। दोनों पक्का इस पारपरिक विविग्य के लिए पूर्णता राजगढ़ है जिसमें यह दोनों पक्कों को लिए सुविधाजनक है। विविग्य गैर दो जाने वाली गृहि के लगाती गृहि विविग्य गैर ही जाने वाली गृहि के लगाती गृहि में 10 प्रदेशों से विवित पक्का गांधीजी नहीं है। विविग्य की जाने वाली गृहि विवाह को पद्धते पर या बदल गई है और यह है इस पर आज कोई भार है। नवी की ओर से प्राप्त इकूलाईडा की लगाती फराली वर्ष 1988 तक 1413 बाला खाना रखता 493, 2232 ए 1043, दाखिल गिरे हैं।

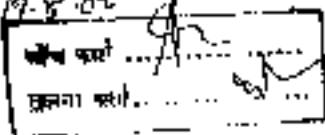
प्राप्तिका पक्का पर राजगढ़ वाद गांधीजीवाद से गरम्या प्राप्त ही नहीं। राजगढ़ वाद गांधीजीवाद की अच्छाई दिभायिक 06-07-2006 प्राप्त हुई। "राजगढ़ वादमानी गैर गांधीजीवाल के पारा उपलब्ध विलेव गर्ववासा से प्रश्नगत लाजारा राज्यालों से इस गृहि की विवाह जारी के अनुसार उनका परता रैट जात विवा गया तथा दोनों पक्कों की गृहिनी राज लुलालालक विवरण पक्का तीथार विवा गया। प्राप्त इकूलाईडा की गृहि जो प्रथम पक्का विविग्य गृहिनी है उस प्राप्तिका द्वारा प्रतावित है।

गैर लिखक रिगल एसटेट डब्ल्यूपर्ट प्राप्त लिंग

वर्तमान प्राप्तिका	अवधा संपूर्ण	दोनोंपक्का	विवाह जन्मी	जन्मी पक्का	विवाह पक्का दिन	विवाह पक्का दिन	विवाह पूर्णता	विवाह
2	3	4	5	6	7	8		
903	0.0330	रोजाना ३०३	241	9.32	9.32	9.32	0.3337	
903	0.1770	रोजाना ३०३	241	9.32	9.32	9.32	1.005	2.647

ATTESTED

1. विवाह का दिन 18.5.06
2. विवाह का दिन 18.5.06
3. विवाह का दिन 18.5.06
4. विवाह का दिन 18.5.06



COURT OF APPEAL AHMEDABAD
No. 5.D.M. 678

परा लूलांडो की दूषि वा उत्तीर्ण परा वा रक्कमणीय भूमियाँ हैं जिन्हाँ विनियम द्वारा प्रधान परा वा गुणी मौजूदी हैं के अन्वारों का नियम -

परा रक्कमणी के कानूनदृष्टक्षण

विवरण	खराचा रुप	मेंसुल	विवरण ज्ञान	लगानी रक्कमणी	इति वीथा	संगमी रक्कमणी	लगानी	विवरण
उत्तीर्ण	2	3	4	5	6	7	8	9
2702	1704	0.1445	संदर्भ रुप	3.62	10.00	2.0955		
480	1036/9	0.0143	संदर्भ रुप	2.72	10.24	0.1535		
							2.2468	

प्रथम पक्ष वा लगानी भूमियावान
उत्तीर्ण पक्ष वा लगानी भूमियावान
अन्दर
८. पुरानांकन

2.0470
2.2468
0.2018
9.85%

उपर्युक्त गुलनालियक विवरण से यह स्पष्ट है कि दोनों पक्षों के पक्ष विवेद जाने वाले विवेद परे लिए प्रस्तावित खराचा जरूरामाओं के परता रेटों में 10 प्रतिशत से ऊपर का अन्दर है : दोनों पक्ष तक दूषियों के रक्कमणीय भूमियावान हैं। इतालिय धारा १६१ जरूरियावधि के अन्वार आवेदक की भूमि का विनियम विवेद लाने की रक्कमणी लाइन आड्या रोका गया है।

लाद दर्जे वार गोप्तिकावाद विवाहा प्राचिनत्वण, गोप्तिकावाद वा नगर विवाह गोप्तिकावाद के पत्र रास्त्या ५७९/अहलगाद/२००६ दिनीय ०७.०७.२००६ के हाथ उपरावत नव्वर के विवेद पक्ष के रास्त्या में आवेदि/आवेदा विवाह १५.०७.२००६ तक उपसाधा लाइन के लिए नाविरा लाइन विवाह विवाह किन्तु इनकी ओर से विवाह दिनीय तक कोई आवेदि/आवेदा उपरावत नहीं यादी पढ़ी गयी। उपरावत रास्त्या के विवाह विवेदक वकील उपरावत वा भाग्यम से गोप्ती वारने हेतु रागन वारी किया गया इनकी ओर से भी कोई आवेदि/आवेदा लिखित ग्रहण नहीं की गई।

प्रथम पक्ष वा लगानी वानिकां द्वारा लाइन राजस्व के लागे वा सुना वाया एवं प्रत्यावती पर उपरावत समरत राक्षयों का परिदान दिया गया। लाइनिक वीथा जांच आड्या दिनीक ०६.०७.२००६ से राप्त है कि याम लूलांडो की प्रस्तावत भूमि पादी/प्रतिवादी की रक्कमणीय भूमियाँ हैं एवं दोनों पक्षों के मध्य विवेद जिनियम के लिए प्रस्तावित खराचा राक्षयों के परता रेटों में 10 प्रतिशत से कम का अन्दर है इनकी आविरिया राहरील की जांच आड्या एवं उपरावत भूमि का विनियम विवेद लाने वा रास्तुलि की गई है एवं विवेदी पक्ष को कोई आवेदि नहीं है अतः भवावली पर उपरावत राक्षयों के आवार पर वारी का ग्रावीन्य पक्ष उपरावत करते हुए प्रश्नगत भूमि वा विनियम विवाह आना उचित प्रतीत होता है।



आदेश

उत्तरीप्रदेश गिरेवना के आधार पर बादी निम्नलिखित ऐफल एरटेट अब्लोगर्ड ३४० लै०. शी-५७, नम्बर १०४३, नई विस्तरी ले यांग दुल्हारेला के लाला राज्या १०४० के लाला नम्बर १००५ रकम ०.३५५८ व लाला नम्बर १००५ रकम ०.१२१० हैं। की गुणी का प्रतिवाली गीत सुपरलैफ नांसरूज्जाम ३३१ शीवर ५, दैशाली के यांग दुल्हारेला के लाला राज्या २२३२ के लाला राज्या १७०५ रकम ०.१५५५ व लाला राज्या ४०० के लाला नम्बर १००६/३ रकम ०.०१५३ हैं। की गुणी से विनियथ रखीकरण निम्न ज्ञाता है। उद्देश के एक प्रभापिता प्रतिरेपि ताल्लिलदार यांजियाकाल बने क्षेत्र आशय से गोजी जाये तिन चपरोहत उद्देशी का राजसव अग्निश्वारों में जनत दरानद करते हुए अनुपालन आद्या एक राज्यालय के अन्दर हर लालालय को उपलब्ध नियमानुसार दिया जाए।



(पर्मद चलाप रिह)
लग्नलिलाजियारी / लालालया कलेक्टर
(प्रधान शोधी) यांजियाकाल।

२४

(१०२५)

नम्बर दं. १०२५

स्वामीप्रभुकारो गांधीजीवाद

स्वामीलालिकारी/राहायक कलोदत्तर (प्रणा. शेणी) नामिगालाद (
दाद संहर्ष १/०८-०६ अमरगढ़ दास १०१ डॉ०३० जमीनारी विनाश अधिनियम
गांग दूर्घट्टेला परगना लोटी चहशील व जिला गांधीगालाद

१०२५० ऐसी प्राप्तीज प्राप्ति ० वनाम मे० सूर्या गच्छन्दस लि०

बदल निष्ठा दिनांक २७-१-०६

लादी १०२५० ऐसी प्राप्तीज प्राप्ति ० वी-४७, जगाट प्लैट, नई दिल्ली द्वारा वरिष्ठ प्रबन्धक की ओर से ग्रामीन पञ्च दिनांक २२.०४.२००६ इस आशय से प्रस्तुत विद्या है कि इस ग्रामीन पञ्च के सालानक को दैरा-१, गैर वर्धित गूणे वसा ग्रामीन प्रथम पदा संघार्थीय गृष्मिय खातेदार है। प्रथम पदा इस गूणे को उत्तीर्ण पक्ष पदा विनियम में देना चाहता है। इस ग्रामीन पञ्च के सालानक को दैरा-२ गैर वर्धित गूणे के उत्तीर्ण पक्ष संघार्थीय गृष्मिय खातेदार है। इस गूणे को प्रथम पदा विनियम में लेना चाहता है। उपर्युक्त शासन एवं प्रदेश ने नगरीय दोनों में निलो गूणी निवेश के गाव्यन से अवासीय भेदभावों को लिए भूमि अर्जन एवं विवारा की गति को बढ़ावा देने वाली दोनों द्वारा गूण्डालेला परम्परा दोनों में विभिन्न नाले के पूरी तथा परिवर्गीय पाश्वर्मी में अवासीय बोजावाओं के विवरण ऐसू भूमि अर्जित की है। उपर्युक्त शासन वर्ती उक्त नीति के लाभोंमें जिवालेजित विवरण को लिए यह पारस्परिय विनियम आवश्यक है। दोनों पदा इस पारस्परिक विनियम के लिए पूर्णतः राहगत है क्योंकि यह दोनों पदों को लिए सुविधाजनक है। विनियम में दो जाने वाली गूणे के लगानी गत्य तथा विनियम में दो जाने वाली गूणे के लगानी गत्य से १० माहोंतक से अधिक का अन्तर नहीं है। विनियम जी जाने वाली गूणे किसी योग पद्धते पर या तंत्रक नहीं है और न ही इस पर जन्म कोई भाव है। यादी द्वारा उद्दरण्डा खतीनी १४०३ से १४१३ फराली गांग दूर्घट्टेला खाता रखता ६१४, ११३, ११४६, ११५३, ११३०, ए २२३२ दाखिल की गई है।

ग्रामीन पञ्च पर राहगीलदार गांधीजीवाद से अख्यापापत रही गई। राहगीलदार ने जालया दिनोंवा ०८-०७-२००६ प्राप्ति दुर्दृश्य। "राहगील आज्ञा गैर वहार गया है कि राहगीलों के पास उपलब्ध जिल्द भाग्यवरत से प्रस्तावित जरारा संख्याओं से इस भूमि की विस्तृत जागीर का अनुसार उन्नत्य परता रेट जाता विद्या गया तथा दोनों पदों की गृष्मियों का तुलनात्मक विकास के लिए तैयार किया गया। ग्राम दूर्घट्टेला की भूमि जो प्रथम पक्ष की संघार्थीय गृष्मियरी है तथा विनियम द्वारा प्रस्तावित है।

१०२५० ऐसी प्राप्तीज प्राप्ति ०

चलनामा आवारण	अवारण लाभ	दोजाल	विवरण जमीन	लगानी दर प्रति वर्ष	लगानी दर प्रति दौ	लगानी गूल्य/वर्ष	विवरण
१	२	३	४	५	६	७	८
६१४ ११३ ए०	१०२९/१ प्रा०	०.१७३०	रोपटा ३०	२.८७	१४.५०	२.५१	
११३	७२० प्रा०	०.३४७०	रोपटा दो	२.७२	१०.७४	३.७३	
				०.३५	२५.२४	०.२४	

१. ग्रामीन का विवरण १०२९/१
२. ग्रामीन की वंशाली का विवरण १०२९/१
३. वर्ष का देव दो १०१ १०२९/०६
४. वर्ष का देव दो १०१ १०२९/०६

संग्रहीत दिन १०२९/०६/०६
संग्रहीत दिन १०२९/०६/०६

ATTESTED

CRIMINAL ATTALMAD
To S.D.M. GZB.

आगे दूसरा हेड़ा की भूमि जो द्वितीय पदा की संप्राप्तिवीद भूमिका है तथा शिनिएवा द्वारा प्रथम पक्ष की भूमि निलगी है, के छासरी या विवरण —

मैं दूसरी यानीन्दस,

लोकन स्थानांशो	सरसा सं०	संवेधपत्र	किलो अभीन	लगानी दर प्रति वर्षा	लगानी दर प्रति हेठो	लगानी मूल्यांकन	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8
1186	1257	0.0659	सेवना रोठ	2.41	9.52	0.626	
1186	1270 / 1	0.0402		2.41	9.52	0.363	
	1246 / 1	0.0380		2.41	9.52	0.3617	
	1072 / 1 प्र०	0.0164		2.41	9.52	0.156	
	1077	0.0139		2.41	9.52	0.132	
	1082	0.0266		2.41	9.52	0.25	
1185	1681	0.0354		2.41	9.52	0.34	
453	902	0.0095		2.41	9.52	0.09	
1130	984	0.0782		2.41	9.52	0.74	
2232	1658	0.0601	सेवना रोठ	3.67	14.50	0.87	
	1701	0.0618		3.67	14.50	0.89	
	1704	0.0648		3.67	14.50	0.91	
	1702	0.0095		3.67	14.50	0.14	
						5.9187	

प्रथम पदा का लगानी मूल्यांकन 6.2400

द्वितीय पदा का लगानी मूल्यांकन 5.9187

अंतर 0.3213

उम्मीदांकन 5.43%

उपरोक्त तुलनात्मक विवरण से यह स्पष्ट है कि दोनों पक्षों के मध्य विवेचने जाने वाले विविध फे निए प्रस्तावित खरसा राश्याओं के लगानी रेटों में 40 प्रतिशत से कम का अंतर है। दोनों पदा उक्त भूमियों के राश्याणीय गुणितार हैं। इसलिये पारा 161. ज0विडजपिठ के अन्तर्गत आवेदक यों भूमि का विविध विवेचने जाने की संस्कृति राहिल आख्या सेवा में प्रेरित है ॥

थाए एवं वर गाजियाबाद विभाग प्राधिकरण, गाजियाबाद व नगर निगम गाजियाबाद को अध्यापत्र के पत्र संख्या 479/आहलाद/2006 दिनांक 07.07.2006 के द्वारा उपरोक्त नम्बरों के विविध जो सन्वन्ध में आधिकारिक आख्या दिनांक 16.07.2006 तक उपलब्ध कराने के लिए नोटिस जारी किया गया किन्तु इनकी ओर से नियम विवेचन करने के लिए नोटिस जारी कराई गई है। उपरोक्त नामिकां वकील शाखाएँ भव्यता से प्रेरित करने हेतु समन जारी किया गया इनकी ओर से भी कोई आपत्ति/आख्या लिखित में प्रस्तुत नहीं की गई।

उपर गढ़ों में अधिकारीयों वैयक्तिक भागियता यवील राजरव के दर्जों को रुक्त गदा एवं प्राप्ती पर उपलब्ध सभी साक्षों का परीक्षण किया गया। राहसील की लौस आख्या दिनोंक 06.07.2000 से २पट्ट है यि थाम लूलाहड़ा ली प्रश्नात्त नूनि गाँवी/प्रतिवानी गमी संस्थापीय चुनिधी गूणी है एवं दोनों पदों के गव्य विष्ये जाने वाले विनियम के सिए प्रश्नावित खसरा राज्याओं के लगभग रेटों में 10 प्रतिशत से कम का अन्तर है चूंकि जहांदिलाहिंद की लाल 10% के ग्रामियाओं के अनुसार उपरोक्त विनियम के जिए प्रस्तावित गूणीयों के लगभग रेटों में 10 प्रतिशत से कम का अन्तर है इसके अलिरिदत राहसील की लौस आख्या में उपरोक्त गूणी का विनियम किये जाने की रास्तुति गो गहर है तथा किसी भी पदा नहीं कोई आपरित नहीं है अतः प्राप्ती पर उपलब्ध साक्षों के आधार पर वादी का प्रार्थना पर १५वीकार घरतो हुए प्रश्नात्त गूणी को विनियम लागा जाना उद्देश परीक्षा होता है।

आदेश

उपरोक्त विवेचना के आधार पर वादी गैरी ऐरी प्राप्तीज प्राप्त लिंग, बी-२७, फैसला लेस, नहं. दिल्ली ग्राम लूलाहड़ा के खात्त राज्या ८१४ के खसरा नम्बर १३२९/१गैरी रक्कमा ०.१७३० व खाता संख्या ११३ यो खसरा नम्बर ७२०गैरी रक्कमा ०.३४८० है० यी गूणी या प्रतिवानी गैरी रूर्ति पर्णन्द्रूप लिंग ३१, रीक्टर-५, वैशाली थो ग्राम लूलाहड़ा के खाता संख्या ११३६ यो खसरा नम्बर १२५७ रक्कमा ०.०६६६, खसरा नम्बर १२२०/१ रक्कमा ०.०४०२, खसरा संख्या १२४९/१ रक्कमा ०.०३३३, खसरा नम्बर २०७२/१ रक्कमा ०.०१६४, खसरा नम्बर १६७७ रक्कमा ०.०१३९, खसरा नम्बर १६०२ रक्कमा ०.०२००, खाता संख्या ११८५ के खसरा नम्बर १६८१ रक्कमा ०.०३५५ तथा खाता संख्या ४५३ यो खसरा नम्बर ११८२ रक्कमा ०.००९५, खाता संख्या ११३० खसरा नम्बर १११ रक्कमा ०.०७६२ तथा खाता संख्या २२३२ यो खसरा नम्बर १६५८ रक्कमा ०.०६०१, खसरा नम्बर १७०१ रक्कमा ०.०६१०, खसरा नम्बर १७०४ रक्कमा ०.०५४ तथा खसरा नम्बर १७०२ रक्कमा ०.०६१५ है० यी गूणी यो विनियम रक्कम विष्या जाता है। अदेश भी का प्रभावित प्रतिलिपि राहसीलदार गांवियायाद घो इस आख्या से गेली जाये कि वह उपरोक्त आदेशों का राजरव अभिलेखों में अगल दरागत बनाते हुए अनुपालन आख्या एक रक्कम के अन्दर इस आख्यालाल्य को उपलब्ध कराना सुनिश्चित वारे।

(धर्मन्द्र प्रताप रिठ)
उपलिलापियारी/राहसील वक्तव्यक्ति
(प्रधग श्रेणी) गांवियायाद।

२२
श्रीमद्भगवत् १५

नकल कोष । लिखे

न्यायालय उपजिला धिकारी / राहायक फॉर्मेवर्टर (प्रथम शरण)
नाम राख्या १९/०६/०६ अन्तर्गत दारा १६१ आप० जमीदारी विनाश अधिनेत्रा
प्रभु रुद्राहेड़ा पंगना लोभी हडसील ए जिला गांजियाबाद।

मैं सर्व सांझी कन्स्ट्रक्शन प्राप्ति बनाम मैं इनोवेशन प्रगोटर्स प्राप्ति।

महान् निष्ठा दिन २०.६.०६

लगवधकों की ओर से प्राप्ति पत्र दिनांक २२.०४.२००६ द्वारा आशय से प्रस्तुत किया है कि इस प्रार्थना पत्र के सलगनक के दैरा-१, मेरी गृणी जा लाली इलाज पथ संकल्पनीय भूमियां खातेदार हैं। प्रथम पत्र इस गृणी को द्वितीय पत्र को विनियम में देना चाहता है। इस प्रार्थना पत्र के रालिनक के दैरा २ मेरी गृणी को द्वितीय पत्र संकल्पनीय भूमियां खातेदार हैं। इस गृणी की प्रथम पत्र विनियम में सेना चाहता है। २००५० शासन की प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में ऐसी पूँजी निपोश के कार्यक्रम जो आवासीय घोजनाओं के लिए गृणी अर्जन एवं विकास की नीति के अन्तर्गत उक्त दोनों गृणी ने याए रुद्राहेड़ा परगना जोनी गे रिक्त जाने के पूर्वी तथा पूर्विकी पार्श्वों ने अवारीय घोजनाओं के पिलास हेतु भूमि अर्जित की है। उक्त शासन की उक्त नीति के सुभित्रोंहित कियाज्यन को लिए क्षम पारस्परिक विनियम आवश्यक है। दोनों पत्र इस पारस्परिक विनियम के लिए गृहीत रहस्य हैं क्योंकि यह दोनों पत्रों के लिए रायिधारक है। विनियम ने दी जाने वाली भूमि के लगानी मूल्य तथा विनियम में ली जाने जाती भूमि के लगानी मूल्य में १० प्रतिशत से ऊपरी का अंतर नहीं है। विनियम की जाने वाली गृणी किसी को एटडे पर या कंक नहीं है और न हो इस पर अन्य कोई भार है। यादी द्वारा उदारण लातीनी १४०९ से १४१३ करली प्राप्त रुद्राहेड़ा खाता जाता १४११, १४१९, १४८९ & १४८० पारिल रही है।

प्रथमा पत्र पर रहरीसदार गांजियाबाद से जारी गाई रहरीसदार गांजियाबाद की आख्या दिनांक ०६-०७-२००६ प्राप्त हुई। "रहरीसदार अख्या मेरी गाई है कि जोलाल के जारा उपलब्ध जिल्द बन्दीदारी से प्रसंसित अस्त्रा रस्ताओं से इस गृणी के किला जनीन के अनुसार उनका परले रेत जात किया गया तथा दोनों पत्रों की भूमियों का पुलनालक विवरण नहीं दिया गया। याए रुद्राहेड़ा ली गृणी जो प्रथम पत्र की संकल्पनीय भूमियां हैं तथा विनियम हारा परम्परित है।

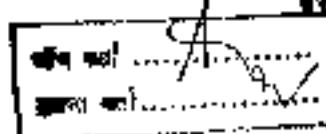
मैं सर्व सांझी कन्स्ट्रक्शन

वर्तमान खातान्तरि	वर्तमान संपत्ति	संकल्पना	फिर्मा	लगानी दर	लगानी दर	लगानी	विवरण
			जमीन	पूरी जमीन	पांच दौ	गृहनाल	
१	२	३	४	५	६	७	८
१४६०	१०३४/१	०.२६६०	सेवटा अ०	३.६७	१४.५३	३.८५/०	
	१०६०	०.२५३०	सेवटा अ०	३.६७	१४.६२	३.०६६६	
१३८९	१०३४/२	०.१७८६	सेवटा अ०	३.६७	१४.५०	२.६९९७	
		०.६९७६				१०.११५२	

१. वर्तमान खाता १४६०/१ १४.५३/०६
२. वर्तमान खाता १०३४/१ ३.८५/०
३. वर्तमान खाता १०६० ३.०६६६/०
४. वर्तमान खाता १०३४/२ २.६९९७/०
५. वर्तमान खाता १३८९ १०.११५२/०

ATTESTED

CRIMINAL AHALMAN
No. S.D.M. 028



ग्राम छून्डाहेड़ा की भूमि जो द्वितीय पक्ष की संक्रमणीय भूमिघरी है तथा विनिमय द्वारा प्रथम पक्ष को भूमि मिलनी है, के खसरों का विवरण :-

मै0 इनोवेशन प्रमोटर्स प्रा0 लि0

वर्तमान खसरा सं0	खसरा सं0	दोनोंफल	किस्म जमीन	लगानी दर प्रति बीघा	लगानी दर प्रति हेक्टेक्टर	लगानी मूल्यांकन	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8
141	1043	0.5271	सेवटा दो0	2.72	10.74	5.6611	
	1045 / 2	0.0065	सेवटा दो0	2.72	10.74	0.0698	
	1262	0.1520	सेवटा आ0	3.07	14.50	2.204	
	1265	0.0990	सेवटा आ0	3.67	14.50	1.4355	
		2.2076				9.3704	

प्रथम पक्ष का लगानी मूल्यांकन	10.1152
द्वितीय पक्ष का लगानी मूल्यांकन	9.3700
अन्तर	0.7452
% मूल्यांकन	7.95%



उपरोक्त तुलनात्मक विधरण से यह स्पष्ट है कि दोनों पक्षों के मध्य किये जाने वाले विनिमय के लिए प्रस्तावित खसरा संख्याओं के लगानी रेटों में 10 प्रतिशत से कम का अन्तर है। दोनों पक्ष उक्त भूमियों के संक्रमणीय भूमिघर हैं। इसलिये धारा 161 ज0वि�0अधि0 के अन्तर्गत आवेदक की भूमि का विनिमय किये जाने की संस्तुति सहित आख्या सेवा में प्रेषित है ”

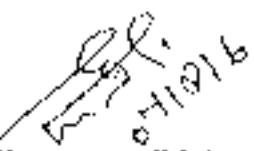
वाद दर्ज कर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, गाजियाबाद व नगर निगम गाजियाबाद को न्यायालय के पत्र संख्या 479/अहलमद/2006 दिनोंक 07.07.2006 के द्वारा उपरोक्त नम्बरों के विनिमय के सम्बन्ध में आपत्ति/आख्या दिनांक 15.07.2006 तक उपलब्ध कराने के लिए नोटिस जारी किया गया किन्तु इनकी ओर से नियत दिनोंक तक कोई आपत्ति/आख्या उपलब्ध नहीं कराई गई है। उ0प्र0 सरकार को विद्वान नामिका वकील राजस्व के माध्यम से पैरवी करने हेतु समन जारी किया गया इनकी ओर से भी कोई आपत्ति/आख्या लिखित में प्रस्तुत नहीं की गई।

उभय पक्षों के अधिवक्तागणों व विद्वान नामिका वकील राजस्व के तर्कों को सुना गया एवं पत्रावली पर उपलब्ध समस्त साक्षों का परीक्षण किया गया। तहसील की जाँच आख्या दिनोंक 06.07.2006 से स्पष्ट है कि ग्राम छून्डाहेड़ा की प्रश्नगत भूमि बादी/प्रतिवादी की संक्रमणीय भूमिघरी भूमि है एवं दोनों पक्षों के मध्य किये जाने वाले विनिमय के लिए प्रस्तावित खसरा संख्याओं के लगानी रेटों में 10 प्रतिशत से कम का अन्तर है थूकि ज0वि�0अधि0 की धारा 161 के प्राविधानों के अनुसार उपरोक्त विनिमय के लिए प्रस्तावित भूमियों के लगानी रेटों में 10 प्रतिशत से कम का अन्तर है इसके अतिरिक्त तहसील की जाँच आख्या में उपरोक्त भूमि का विनिमय किये जाने की संस्तुति की गई है तथा किसी भी पक्ष को कोई आपत्ति नहीं है अतः पत्रावली पर उपलब्ध साक्षों के आधार

पर यही कठ प्रार्थना वक्त रत्नीकार करते हुए प्रश्नगत भूमि को विनियाप विद्या आद्य उचित प्रतीत होता है।

आदेश

लघुरोक्त विधेयना को आवास पर लगी है ताकि लाइन कन्ट्रोलरशन्स प्रोटोलो, सी-47 कन्ट्रोल पोस, नई दिल्ली की ग्राम झूलाहेड़ा, परखना होनी, तातरील ज जिला गाजियाबाद रिखर भूमि खाता रख्या 1463 के खसरा संख्या 1034/1 रकमा 0.2660 है व 1060 रकमा 0.2530 व 1070 संख्या 1389 के खलरा संख्या 1034/2 रकमा 0.1736 को मैं इन्होंने प्रभोटस पाति, 9 रौन्द्रुल एंक्षु गजारानी बाग, नई दिल्ली की ग्राम झूलाहेड़ा रेशा भूमि खाता रख्या 141 के खसरा संख्या 1043 रकमा 0.5271 है, 1045/2 रकमा 0.0065 है, 1262 रकमा 0.1520 है व खसरा संख्या 1205 रकमा 0.0890 है जो भूमि से निम्नव रत्नीकार विध्य जाता है। आदेश को प्रभागित प्रतिलिपि रकमा ग्रामियाबाद को भरा आशव से गोजि जाये कि दह उपरोक्त आदेशों वग राजन्य अधिकारियों ने उपरोक्त वरामद कराते हुए अनुपालन आवश्या एक रायाह के अन्दर हस जागातव वग उपलब्ध छाराना सुनिश्चित करे।


११/१२/१६
(धर्मन्द्र प्रताप सिंह)
उपजिलाधिकारी/सामायक कलेक्टर
(प्रथम श्रेणी) गाजियाबाद।



218/14-01-05



18/01/05



10/15/2
10/13/1
12/6/2
12/6/5

17

03DD 992211

SP doneविक्रय पत्र ओकन 28,54,840/-रुपये का :-स्थाप्त ओकन 2,85,500/-रुपये का :-विक्रय भूमि का विवरण- कृषि भूमि रक्ष्या 4.71875 एकड़ अर्थात्1.911 हेक्टेयर अर्थात् 7-11-0 पुखता का 1/4 भाग रक्ष्या1-17-15 पुखता स्थित गाय ढूड़ा ढूड़ा परगना लोनी तहसील वजिल्हा गजियाबाद (उत्तर प्रदेश) जिसे आगे चलकर विक्रव कृषिभूमि कहा गया है । जो कि विक्रय है उपरोक्त भूमि पर कुलभूमि लगान 59/-रुपये 15 पैसे सालाना है जो कि कृषि भूमि है चप्रति एकड़ 500/-रुपयेL.H.

VIRENDRA P. SHARMA
Advocate
Civil Court Compound
Ghaziabad

13 JUL 2015

M/s Sphalerite Industries Ltd. U.P. India

कोटा क्रमांक ४२०

13/7/05

संपर्क संख्या ०१७५२३६३०८०

वार्षिक वर्तमान वर्तमान

वर्ष का दृष्टिकोण से अलग होना

महाराष्ट्र राज्य विधान सभा में लोक सभा में लोक

महाराष्ट्र राज्य विधान सभा में लोक सभा में लोक

महाराष्ट्र राज्य विधान सभा में लोक सभा में लोक

महाराष्ट्र राज्य विधान सभा में लोक सभा में लोक

महाराष्ट्र राज्य विधान सभा में लोक सभा में लोक

महाराष्ट्र राज्य विधान सभा में लोक सभा में लोक

महाराष्ट्र राज्य विधान सभा में लोक सभा में लोक

महाराष्ट्र राज्य विधान सभा में लोक सभा में लोक

महाराष्ट्र राज्य विधान सभा में लोक सभा में लोक

महाराष्ट्र राज्य विधान सभा में लोक सभा में लोक

महाराष्ट्र राज्य विधान सभा में लोक सभा में लोक

महाराष्ट्र राज्य विधान सभा में लोक सभा में लोक

महाराष्ट्र राज्य विधान सभा में लोक सभा में लोक

महाराष्ट्र राज्य विधान सभा में लोक सभा में लोक

महाराष्ट्र राज्य विधान सभा में लोक सभा में लोक

महाराष्ट्र राज्य विधान सभा में लोक सभा में लोक

महाराष्ट्र राज्य विधान सभा में लोक सभा में लोक

महाराष्ट्र राज्य विधान सभा में लोक सभा में लोक

महाराष्ट्र राज्य विधान सभा में लोक सभा में लोक



0300 992210

कृपि दबु ज्ञेता के निशाय है। मैत्रमेह के मध्य बिन्दु से हड्डाएँ
500 ग्रॅम से अधिक दुरी पर हैं। सखारी कृषि भूमि वर
9,60,000/-रुपये प्रति एकड़ है, जबकि स्टायर इमें अधिक के
दिग्गज से गिरें कृषि भूमि की यन्हीं कौशल उपग्रेड पा निष्पत्तिपर
अवा किना चाहा है जो कि निमित्त दर पर अधिक पा आता है।
वैज्ञानि में नवशा नवरी संलग्न है।

१५ अक्टूबर २०१४

[Signature]



Civil Court, Gwalior
Gwalior

13 JAN 200

163 दिनों
पर्याप्त है।

मुझे आपकी जीवन से जुड़ी कहानी बताएं।
मैं आपकी कहानी सुनना चाहता हूँ।
मैं आपकी कहानी सुनना चाहता हूँ।
C 1120/ मारुति शंख लाल

KH-105

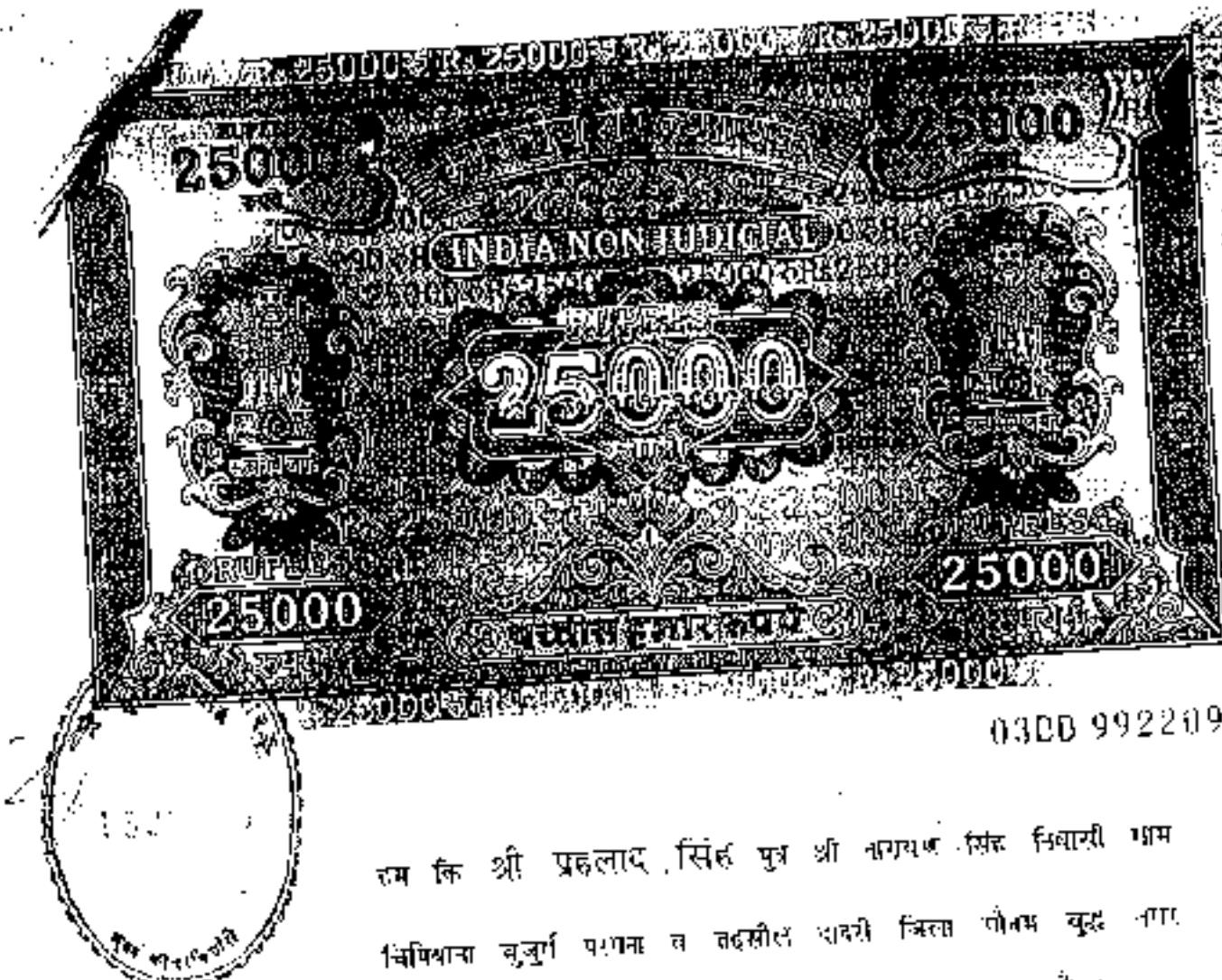
गुरु



दिव्य

14/1/03: 3000/ 5/2 4
मेरी जीवन की कहानी बताएं।

✓
मेरी जीवन की कहानी बताएं।
K H - 105

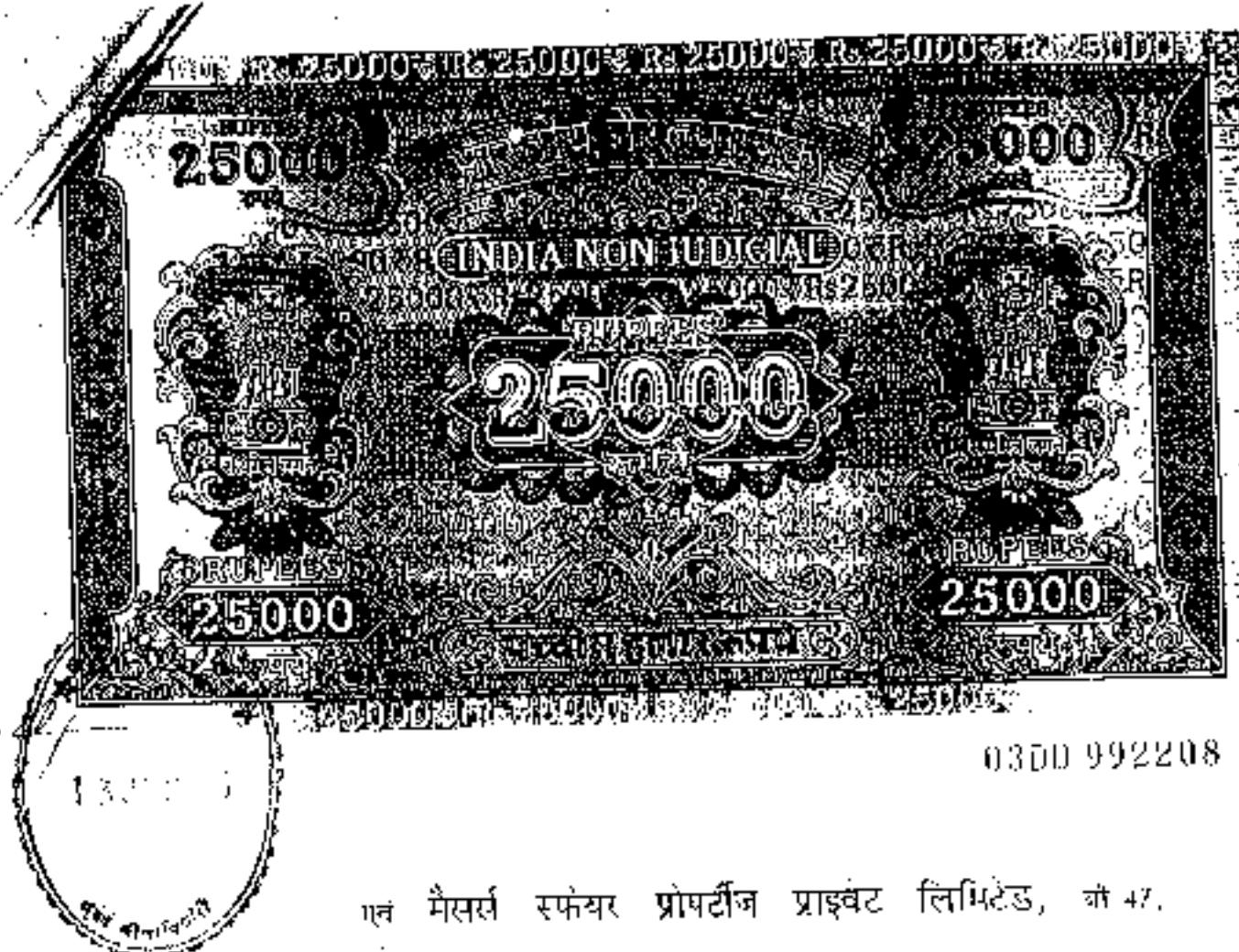


0300 992209

रम कि श्री प्रह्लाद सिंह पुत्र श्री नगयन सिंह निवासी भारत
विधिवाचा चुजुरा परगना व तदसील यादवी जिला तीकम बुद्ध नगर
पश्चमपक्ष निक्षेपा। जिन्हे आगे चलकर लिखेता कहा गया है।

३००९९२२०९

३००९९२२०९



0300 992208

एवं मैसर्स सफेयर प्रोफर्टीज प्राइवेट लिमिटेड, गो 47,
कर्नाट कला, 45 दिल्ली-110001, द्वय श्री घनानन्द बरिशाल
पुत्र श्री नेकगुप्त बरिशाल अशोकराज भिरानंदी बरिशाल इन हिंदौरपद
क्रेता। इन्हे आगे चलायरा क्रेता कहा गया है।

30.11.2001 M/S



0300 992207

इस देनामे मे लिंगता व ड्रेला कम्पनी के समस्त उत्तराधिकारी एवं

वैधानिक व न्यायिक प्रतिनिधिगण आदि सम्बंधित समझे जावेगे।

विदित हो कि कृषि भूमि रकवई 4.71875 एकड़ अर्थात् 1.911

हेक्टेयर अर्थात् 7-11-0 पुखता सामानी 59/-रुपये 15 पैसे सम्बंधित

खाता खातोनी नम्बर-141 सम्बंधित खसग नम्बर-1043 रकवई 1.265

हेक्टेयर, व खसग नम्बर- 1045/2 रकवई 0.013 हेक्टेयर, व खसग

नम्बर-1262 रकवई 0.304 हेक्टेयर व खसग नम्बर- 1265 रकवई

0.329 हेक्टेयर योग नम्बरन-4, रकवई 1.911 हेक्टेयर का 1/4

19 जू. 2011/12
Signature



0300 992206

धर्म राजवी 1-17-15 पुस्तक अर्थात् 1.17968 एकल हिंदू

प्रथम संस्कृत हेठा पाषाण लानी तहसील व किसा गांजिवाद (उत्तर

प्रदेश) का प्रथमप्रथम निक्षेपण प्राचीन काव्य व ग्रन्थग्रन्थ

भूमिधार भूमिधार है उक्त नम्बर मे प्र० लिखक ने 1/4 भाग को

भूमि अज दिन तक हर चक्कर जे बंधक भूमि ग्रन्थवी दसदारी व

अन्य लौन आदि से पुनर्जै है जहाँ अन्य जाह अद्य गुरु

चय, हिंन, महालवाद्य आदि आदि मे ग्रह नही है । शिलचिन्तन

निक्षेप थे विसी एकात्र का कांह दोग व तुट भी है । एक फार था

१३८८
१३८८
१३८८



03DD 992205

बहुत धिताद से मुख्य है। अब युद्ध विकला ने अपनी लुशी क
राजमन्त्री शुक्र दूषि व साथ्य इंदियो के साथ बिना किसी दर
रखान व यहकाम के पश्चात लंक हुए मग तपाए हक उक्त
भातिकाल युक्तिनी आरियी हर शिक्षण गवे कलजा आदि आदि को
मग हक चारहत त ऐसे ग्राम भर्य अधिकारी सहित आज 45
तारोंक गे जदले औक्त 28,54,840/-रुपये (आठाहस लाख चत्वा
दुजार अठ रुपये चालीम रुपये) अप्पे जिसके ओक्त 14,27,420/-रुपये
(चाँदह लाख सत्ताहस हजार चार लो तीम रुपये) होंगे हैं।

कठक हितेयपक तेजा कम्पनी उपायकर वो किस्ता भरा दिया है और

१५ अक्टूबर १९६८

[Signature]



0300 992201

देव दिवा है जथा बुल भनगाँि दिन पक्का से अभूत चा ली ।

कुँझ यार्कर नहीं रहा है । विक्रम धृषि वर्षीय है जथा कर्म हेतु वर्ष

8, दो फलसती हैं सिन्हार्दि का अधिन वगवाम के सेवा का निवार्द्ध है

है । इस समय विक्रम धृषि पूर्ण में बड़ा फलसत याई हुई नहीं है,

धृषि गोके पा लाली है । बहुजा मांक घा झ्या कम्पनी का

लास्तविक रूप से कर्ता दिया है । विभक्ति अव शक्ति वर्णणी पूर्णिः

मालिका बन गयी है । क्रमा कम्पनी का सर्वांग आश्वास है जिस से

उक्त वर्षीय धृषि ने जिये पक्का तहे वहेपितान पानवाना गवाम में

लावे । वर्षीय धृषि के विद्युत आदि को जिम्बल एवं अम्बाल गो-

द्य येनारे के अधिक पर अपना युग अम्बारे (प) गायरों में उत्त्य

15/12/1942



0300 992203

आतंगक कागजाती य विभागो आरि वे दर्ज कराते, काशन कर, व

अन्य बजैह कार्यालयी अर, अपार्ट ब्रिस एकार चाहे आपन मालिकाना

हक्कुन भै ल्याकर लाग उठाते। हय निफला या इष्टहे वांभून फा

विद्वन् १००० भै काई मालिकाना वाईता वा सम्बंध बाढी रही रहा

है। गर्ज है कि यदि दुःख निफल के अनाधिकार मे या विद्वा

करन्ती नुक्ख ना बालूर वे कराण उत्तर कृण घुमि का कुल रा

दुःख ओर क्रेता उभावत कर्मानी वे बरजा व दहल मालिकाना वे

19. 10. 1991
Signature

[Signature]



निकल जावेगा तो द्वेष को आधिकार हांगा कि बद करने से निकल

जाने जाती भृषि भूमि की समस्त धनराशि मरे अवाज ल हज़े लुचे

आदि के विद्वान् व विद्वता ने यामिनि की चल अन्वल सम्पत्ति से

विस घबराई नहीं वसूल करते । यहाँ आपत्ति नहीं राखी । ५

गुजरात आधिकारी उथला अन्य स्थान इस विक्रय पत्र से भर्याधित भूमि

को अपनाया ।





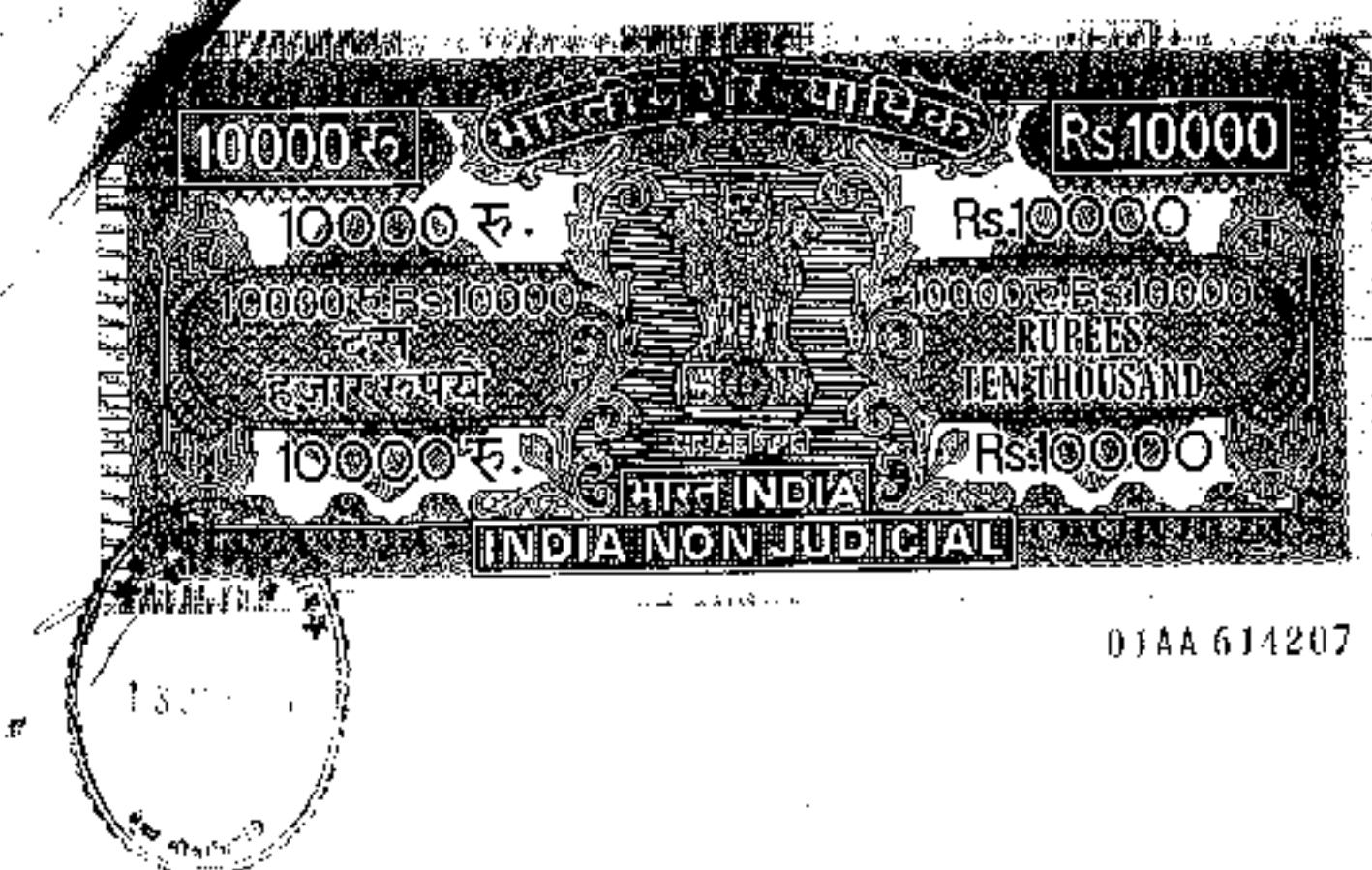
0300 992203

के विवरण के दिनांक तक की कर आदि की फिर्सी भी देखारी
यह लाक्षित धूमि गिरेता बग छोगा । और बाद इसके जरूर झेला
उल्लेखनी होगी । मुझ गिरेता ने उसका नम्बर में अच्छा सम्पूर्ण
हिस्सा लिखा लिखा है । उक्त धूमि एप समाज व पट्टी धूमा
अथवा नक्कड़ की नहीं है । गिरेता अमुशुचित जाति वा अमुशुचित

जन जाति से नहीं है ।



Abc



अब यह लिखने पर लिख दिया कि प्रमाण रह और समय पर चलम
आते । यह बंदामा विक्री के पिछले कागजात अमुमार ने विक्री का
दावत को नहीं अमुमार लिखा गया है ।

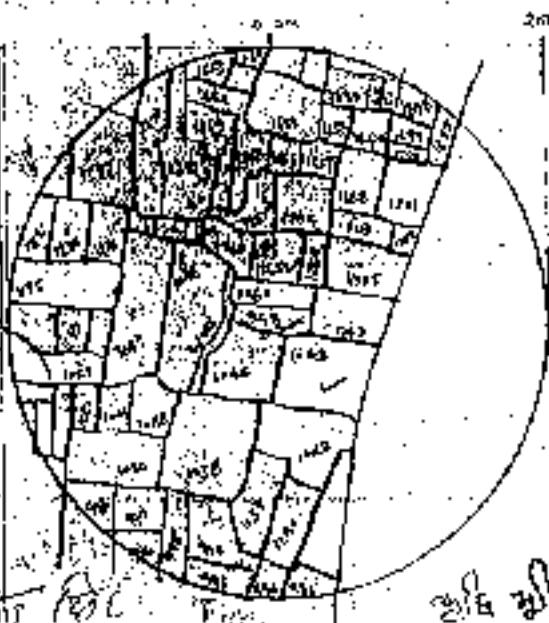
विवरण दस्तखाती कुल धनरक्षण का :

अधिक 28,54,840/- रुपये चेक नंबर 477846 दिनांक 12-01-2005

पंजाब नेशनल ऐफ, कनाट प्लॉट, नई दिल्ली द्वारा विक्री में होना
कार्यनी से पंशपी दस्तूर पड़े ।

477846

6-2



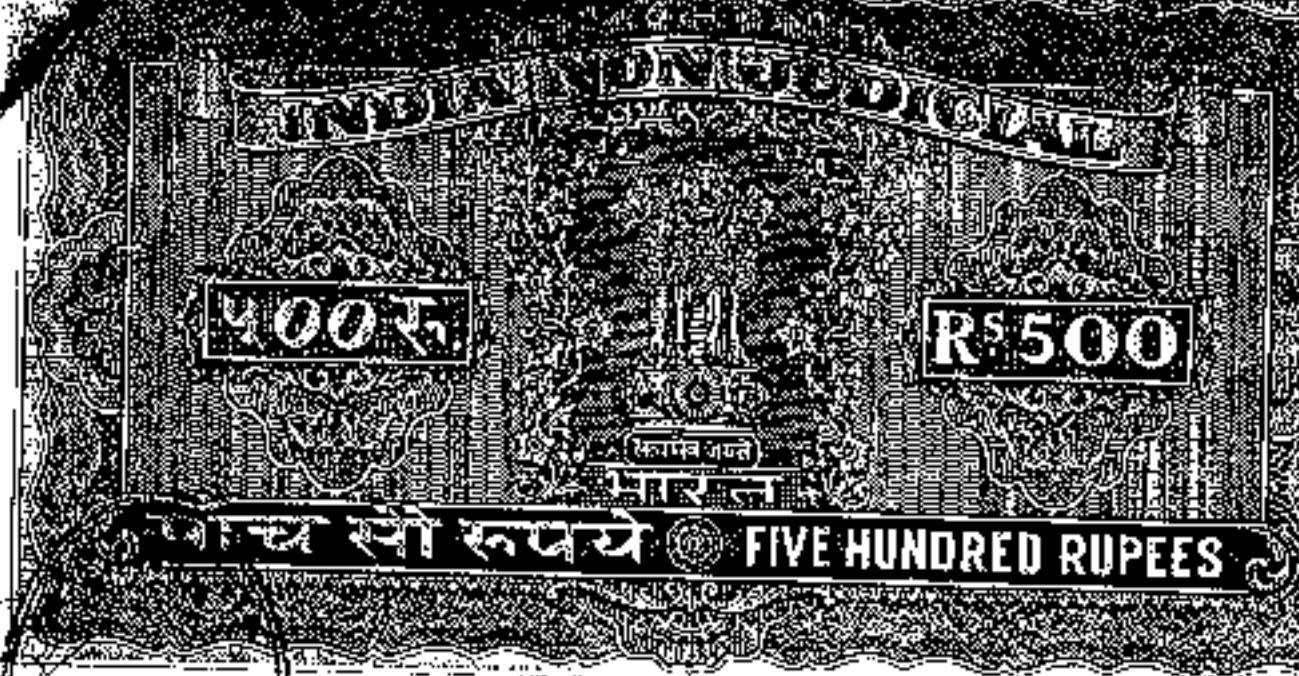
શ્રી વિજય

MANOJ SHARMA
Architect, Engineer, Valuer
Int. Designer & CMO

ARCHTECHNO-COMBINE
CH. NO. 85, TENSIL COMB. O2B
PH.: R-2786133, M-9811604099

(Based on D.R.A. supplied by owner.) 10.1.1.

500



13/1/02
R. V. K. 2002

[Signature]

माला नं 1
गोपेश्वर गोपेश्वर
कृष्णनगर
गोपेश्वर गोपेश्वर



माला नं 2

Mukesh Chandra & Shri M. Khan Ram
C/o Rajiv, Shikar
Chamrajpur, New Delhi



लिंग 14-01-2002 प्रभाली तांडव फला खिंह एडलोकट चाप्पा

नम्बर-56, रामसील काशीउड गाजियाबाद।

[Signature]
Civil Engineer
Gujarat

[Signature]

13 JULY 2005

जहाँ न० १ जिल्ह न० ३ के पुल न्यून नवर
को आज दिन १४/७/०५ को रजिस्ट्री की गई।

स० र० प्रधम
गाजियाबाद



217/14-01-05

1



B2A, B2B
14-01-05

18

03DD 992176

विक्रम पत्र अक्षन 28,51,840/- रुपये पा :-

स्थाप अक्षन 2,85,500/- रुपये पा :-

विक्रम भूमि का विवरण - भूमि भूमि स्फलह 4.71875 एकड अधिति

1.911 टैकटेयर अधिति 7-11-0 पुस्ता का 1/4 भाग स्फलह

1-12-15 पुस्ता स्थित ग्राम हृदा देश परामा लोनी जाइसील च
जिला माजियावाद (उत्तर प्रदेश) जिसे आगे चलकर विक्रम कृषि
भूमि कहा गया है। जो कि विक्रम है उपरोक्त भूमि पर कुल
भूमि लगान 59/- रुपये 15 पैसे सालाना है जो कि कृषि धूमि है व

पुस्ता

गौर



VIRENDRA L SINGH
VOCALIST
Civil Com. m, oad
Chattisgarh

Mr. D. D. D.

13 JUN 2001

Mr. D. D. D.

Mr. Lilac Real Estates Developers Ltd. Ltd. Mr. D. D. D.

₹ २४२५०५०/-

१३-६-०१

राजीव शुक्ला राजीव शुक्ला राजीव शुक्ला
राजीव शुक्ला राजीव शुक्ला
राजीव शुक्ला राजीव शुक्ला
राजीव शुक्ला राजीव शुक्ला
राजीव शुक्ला राजीव शुक्ला
राजीव शुक्ला राजीव शुक्ला
राजीव शुक्ला राजीव शुक्ला

राजीव शुक्ला पट्टा

Lok

राजीव शुक्ला राजीव शुक्ला
राजीव शुक्ला राजीव शुक्ला
राजीव शुक्ला राजीव शुक्ला

राजीव शुक्ला राजीव शुक्ला राजीव शुक्ला

राजीव शुक्ला राजीव शुक्ला राजीव शुक्ला

राजीव शुक्ला राजीव शुक्ला

राजीव शुक्ला राजीव शुक्ला

राजीव शुक्ला राजीव शुक्ला

राजीव शुक्ला

25000

INDIA POSTAGE STAMP

25000 RS. 25000 25000 25000

25000

1000

25000



0300 992175

वहां लेन् जैवा तो विज्ञान के गोपनीय के संदर्भ में से इसके
500 अधिक से अधिक दुष्प्रभाव पर है। अमरनाथ यात्रि भूमि पर
१,६०,००५V-हवाण्य पति एकल है, क्षयिति स्तराम इसके अधिक के
हिसाब से विश्व वृक्ष भूमि वर्गी शर्की कर्माना उपर्युक्त पर नियमित्यात
अप्रभाव रखता है तो कि नियमित्या दर वे अधिक पर आव है।
वर्तमान वे कर्माना वर्गी रखता है।



M.L.



Credit: *Postage*

13 JAN 1905



हम के रथाम सिंह पुत्र श्री गणेश मिह निवासी नगर लिपिकाल
वृक्षों आणा व गद्याल अरती जिता द्वितीय शुद्ध नपर प्रथमपत्र
जित्तना । बिन्द शारे चक्रार्थ लिपिक लकड़ आर ३ ।

१८८८

—G.B.





एवं यैसी लिलेक स्थल एक्टेस उवलापर्स प्राइवेट
लिमिटेड, बो 47, कनांह ग्लैम. नं. मुंबई-110001, हाय श्री
धनानन्द चश्छठ पुत्र श्री रेक्षम चश्छठ अपांगार्जुन पिंगले
कर्मचारी उवला द्वितीयपाल झेता। जिन्हे गांधी भलादर झेता फक्त
मगा है।





इस खेतमे मेरि विद्वता व कुला यात्री के समस्त उत्तराधिकारी एवं
शैधानिक व ज्यातिक प्रतिनिधिगण आदि सम्बलित समझे जानेगे।

विदित हो कि कृषि भूमि एकड़ 4.71875 एकड़ अर्थात् 1.911
हेक्टेयर अर्थात् 7-11-0 पुखता लगानी 59/- रुपये 15 पैसे सम्पन्नित

खाता खतोनी नम्बर-141 सम्पन्नित रुमग नम्बर-1043 एकड़ 1.265

हेक्टेयर, व रुमग नम्बर-1045/2 एकड़ 0.013 हेक्टेयर, व

रुमग नम्बर-1262 एकड़ 0.304 हेक्टेयर व रुमग नम्बर-1265,

एकड़ 0.329 हेक्टेयर याम नम्बर-4, एकड़ 1.911 हेक्टेयर

याम 1/4 भाग एकड़ 1-17-15 पुलता अर्थात् 1.17968

एकड़ सिवत छाम दृढ़ा दृढ़ा भगाना लानी ताइसील वा

मुमुक्षु

बैठ

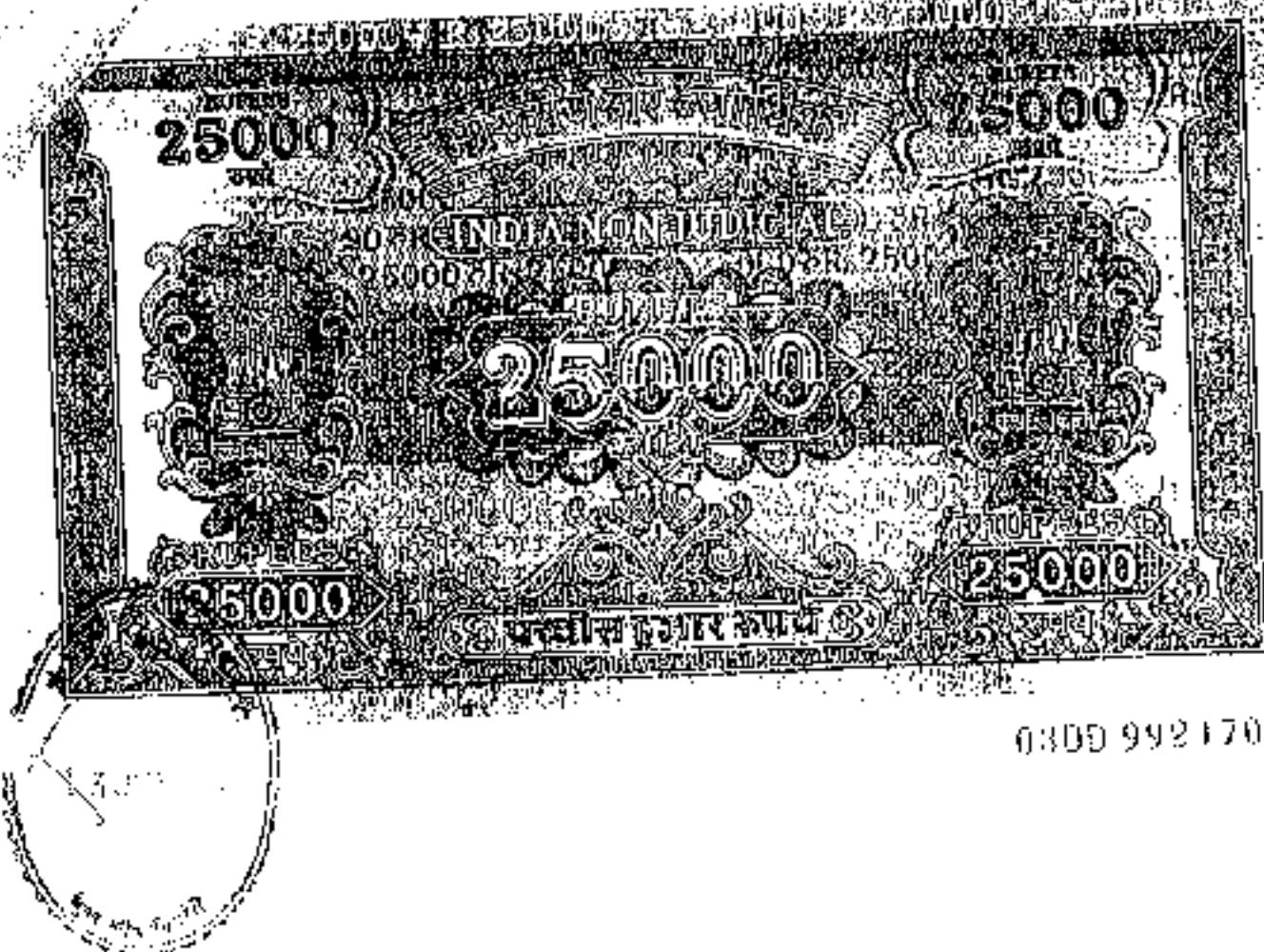


03DD 992171

जिला माधिकरण (उत्तर प्रदेश) का प्रधानपत्र विहँता यानिक
वर्तमान व संझापीय भूमिका भूमादी हे इतन नम्बरम थे गुडा
विहँता चा 1/3 अम थी शुभि अह दिय एक रुपा प्रकार का योग्य
गुडा यस्ताए देनारी का था तो तो आर जाहि चे गुडा हे, जहो
तो यो बाहु अट, अह, वन, दिवे, महावरणाव आह जाहि गे गुडा
नही हे । विलक्षित विकेता मे किंवा प्रदार चा काई गुडा हे गुडा
नही हे, हर प्रकार ने तार विवाद हे गुडा हे । अब युक्त विहँता
ने अपी लुशा ते गुडाम्ही गुडा शुभि ने गुडा इतिहास की अप्य
विगा किंवा हे इतिहास की अप्यविगा ताव द्वा गुडा नम्बर;

23/17/22

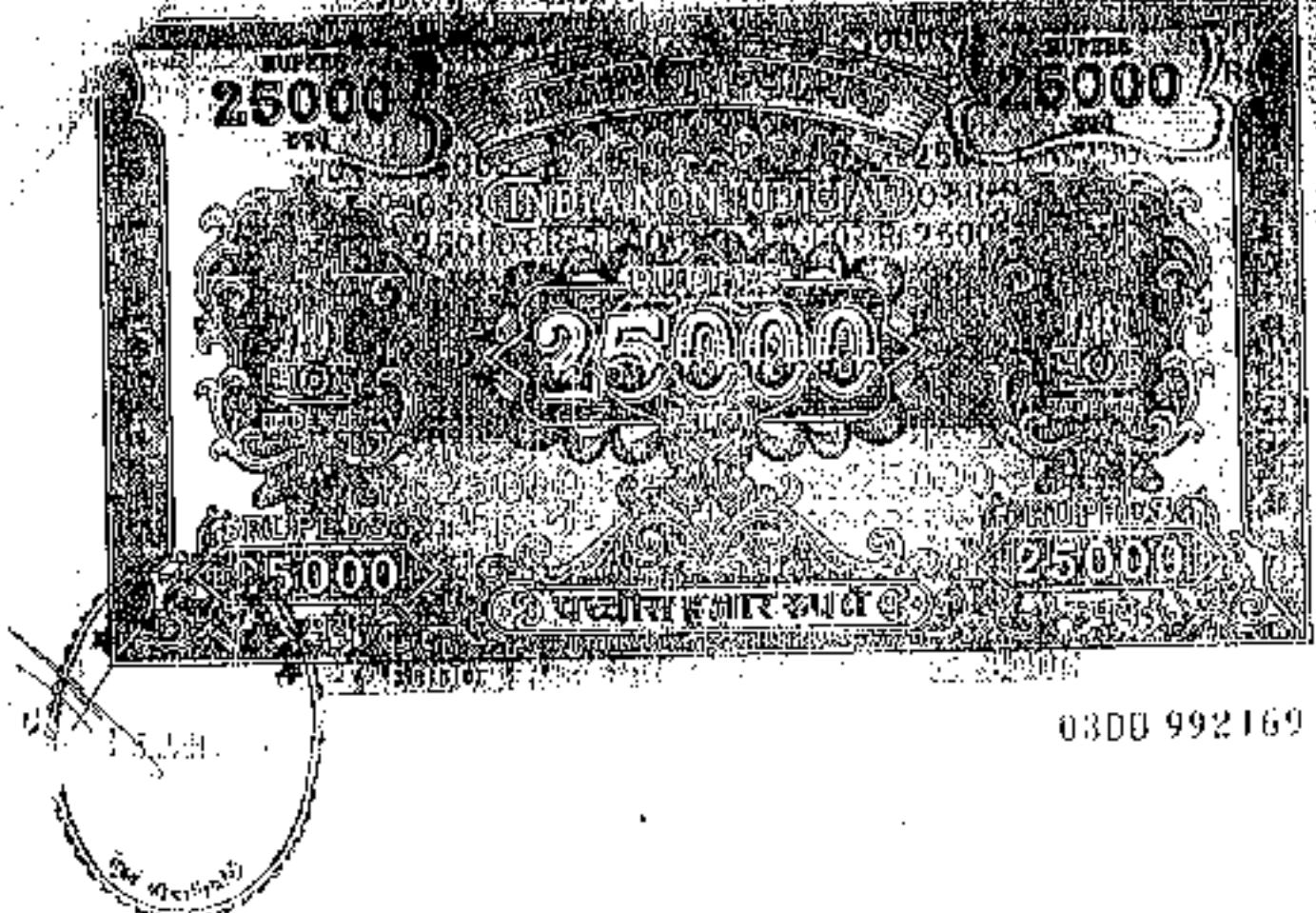
५८५



हक हकूम यांत्रिकाव लाईली स्त्राई भा गिमय एवे कूलजा अदि
अदि चो गय हक बनाव च खले प्राप्त रखें। अधिकारे रद्दिए अन
सते कोडे मे चले अंका 28,54,810/- रुपये (आर्द्ध लाख
लाख रुजार अ- ए नाशील रुपये) शुभ जिम्मे उत्तम
14,27,420/-रुपये (चोल्ड लाख सतार्थ रुजार चाह सा लोख रुपये)
होते ८. भे शहर दिल्लीवास झंगा काष्ठीकर्ण को गिर्वान कर
दिया है और नव दिया है जमा कूल भनाई निम एगजर मे व्युत्ति
ग है। गूँड वाको नहीं पढ़ा है। चित्र भूमि कृषि है तथा

१४८८८

H.M.



कहाँ देख रख है, यो कामती है भिन्नार्थ का वाधन बगवार के लेज
के नलमूल से है। १५० अप्रैल निहाने कर्त्ता दुषि दे अदृ प्रस्तु
जोइ हूँ भरो है, अदृ पांडे पर छालो है। वाहना पांडे पर क्रम
कामती का वास्तविक रूप से करा दिया है। दिग्गजी शब्द में
कामती पूर्णतः वालिक अन पर्नी है। शब्द कामती का अर्थ
अधिकार है जो एक उत्तर कहाँ अमेर का जिय पहाड़ चारं
गहनियत भालकाचा प्रवास से आते। कहाँ दुषि हो निद्रा उत्ति
करो, विजय का अपनाना अस, उस वकारे के जागो। पर देवता वाप

पूर्णमास

लोक

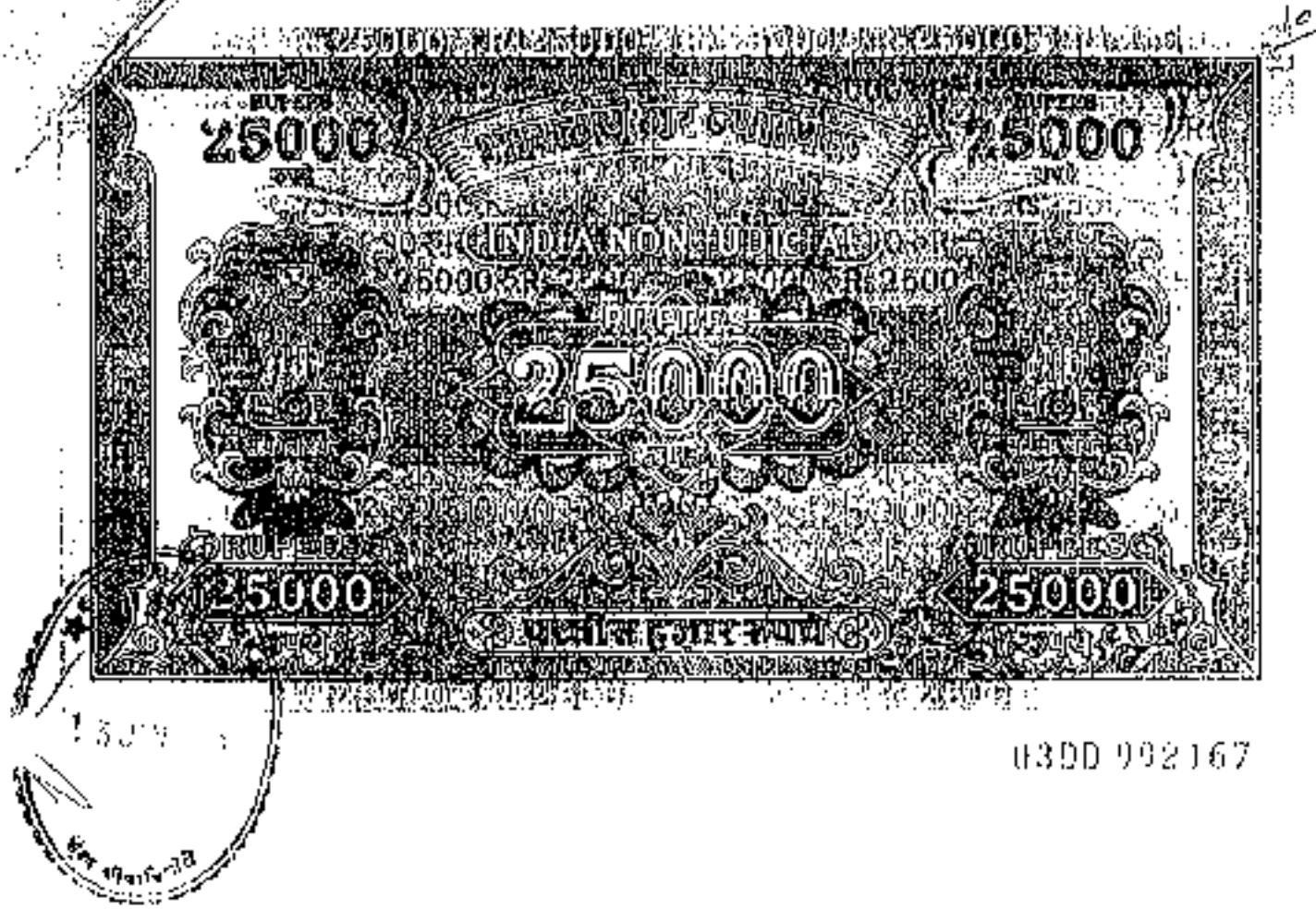


0300 992168

મનુષ્યની ગેર સાધ્યતાની એ અનુ વ્યવસ્થાની કલગણાનો એ સિંહાસન અન્ધિ
મં દર્જે કરાયા, બાળની ચરા, એ આખ નરોકે રાજ્યનાની મારી, જીપાંગ
ઝિસ્ટ પદમાર નહીં અથે અધિકારી હચુકું એ લાલા રહાથ જઈએ ।
એ વિશ્વાસ એ દર્દી કરિશેન કાં તિંનાં ખૂબિ મે કારે ઘાલિકાના
નાનાં એ મારીએ ચાંદી કરી રહી હૈ । ગર્જ હૈ એં ચાંદ ખૂબિ તિંનાં
ને ઉદ્ઘાસિયાં એ શા મિલી ફાન્ફૂરી તુલસી એ માદુફ કંઠ કારણ અને
કર્ણાં ખૂબિ જા ગુણ એ કૃતી ઠંડુ દેલા જાયંદું ધરણીની એ કાણના
ન દાખલ કાલાનાં એ તિંનાં ધરણીની કર્મ એ અધિકાર છાપા

દુષ્ટ

—G.T.



0300 992167

विं चाहु वर्षमें से हिंदूना आंदे लोही दृष्टि गृहि वर्षी मात्रल भरतीय
मन्द न्याय व हजै रुप्त भवि के चिन्हा व निम्नांक के लोकान् एवं
नल अनल सम्पत्ति ऐ जस पकार रहा नगुण वर्षी । कोई
अपत्ति नहीं स्थोगी । ये गजाय एविकारी भवना अभी वर्ग इय
विश्व एवं भारतिय भूमि ऐ रजिस्ट्रेशन वो निम्नक व्रक वर्षी यह
अदि वर्षी किंगी घोटेक्षणी का वासिता भूमि विक्रीता वर्ग हाणा ।

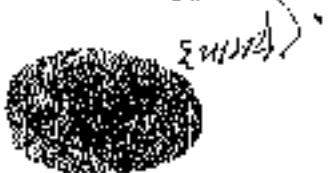
श्रीमद्भूमि

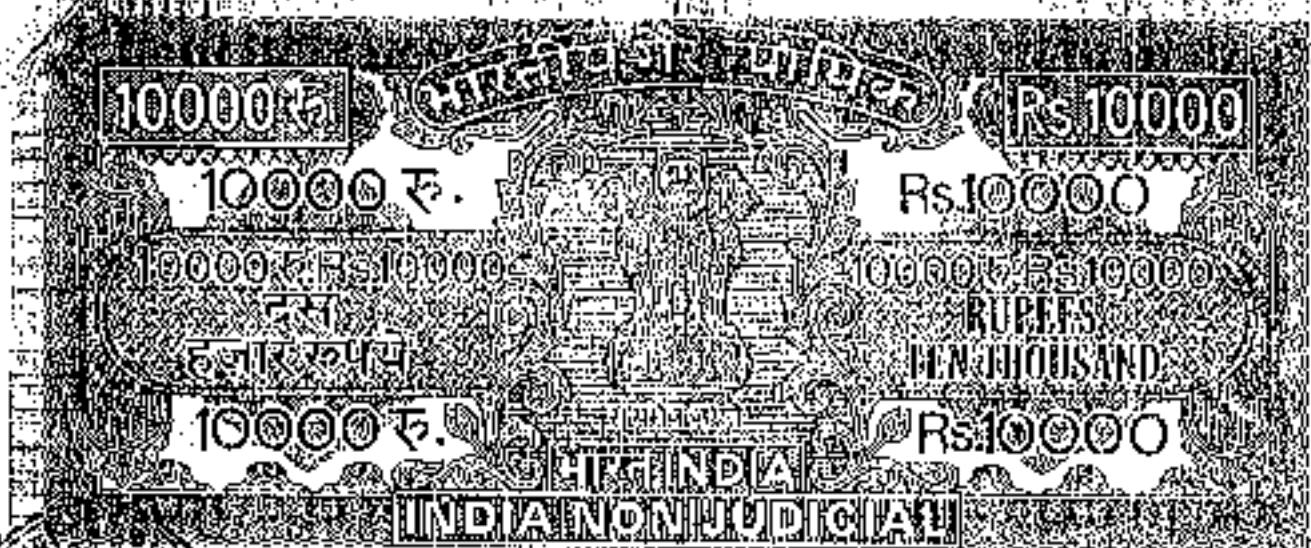
ग. ब.



0300 992166

जांग शाह दमरहं गदर्लं उत्तराखण्डी हार्दी । युग्म विकल्पा वे उखन
वाक्यमें वे अपना अपूर्ण लिप्यं विकल्पा लियम है । उक्त धूमि ग्राम
सपाज ल एट्ट भूमण लवया लवया वही कही है । विकल्पा आप्सूचित
घारिं था अनुशुभित झन जानि था नहीं ।





असे यह बिल पत्र लिखा था कि एप्रैल 2005 में समय पर काम
कर्त्ता : यह देशभा विभिन्न कंपनी के लिए कामाचर अनुशासन विभाग
द्वारा के जगते अनुशासन द्वारा है :

विधारणा परिवार : श्री. डॉ. अ. श्री. डॉ. अ.
ठोकन 28,54,840/- रुपये राजा नम्बर-2258।। दिनांक 22-03-2005

पंजाब बैंकल बैंक, कनाट एस, कृष्णली द्वारा लिखेवा ने काम
कर्त्ता से पेशी वस्तु पाये ।



12

13

MANOJ SHARMA

ARCHITECHNO CONSULTANT

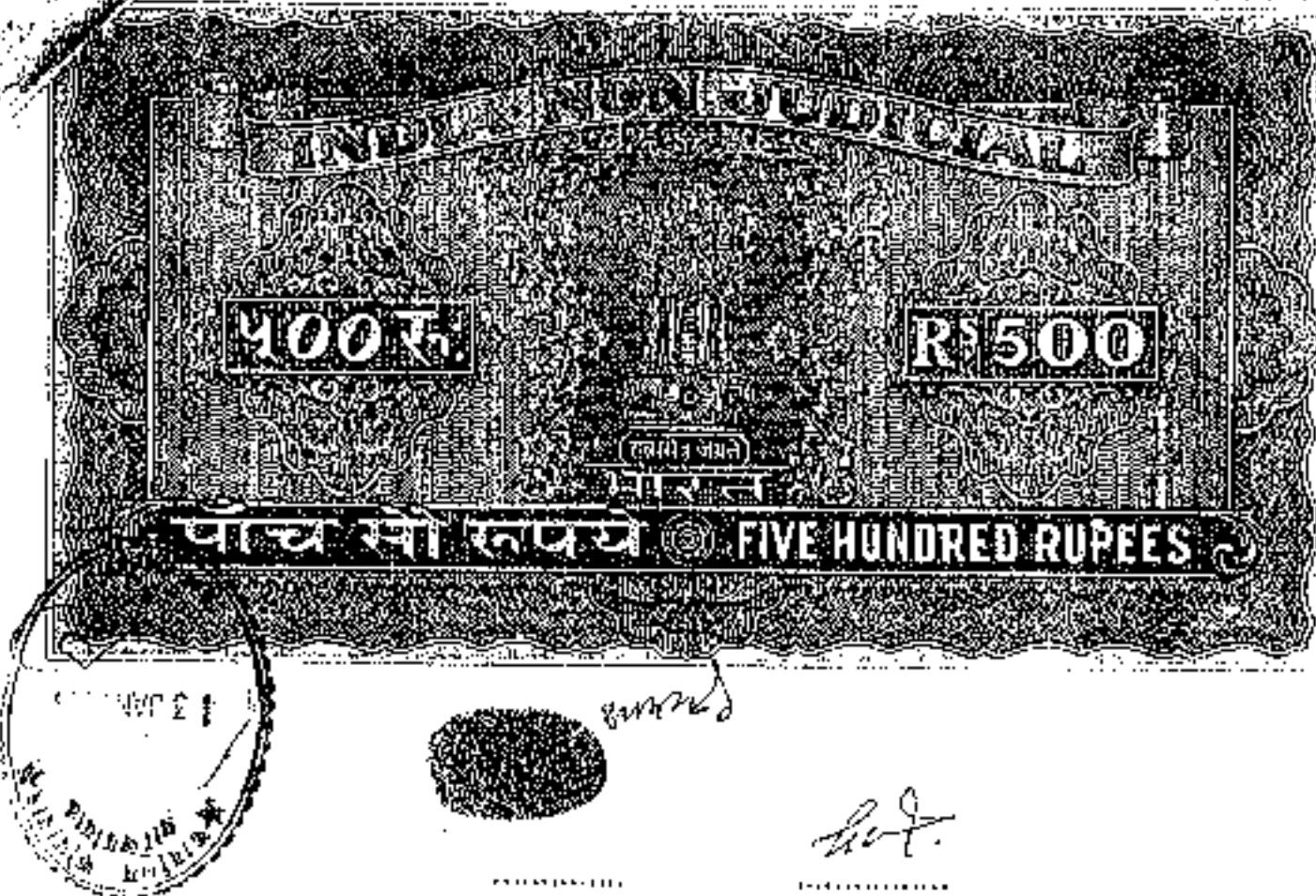
CHING 85, TALUK - COMPTON

PH. F-2706133 M-9411604929

Exhibit
(Crossed on DRG supplied by owner)



500Rs.



गलाह नं० १०
मोहन सिंह लाल शर्मा
सूरज कलाकार
मुमुक्षु विद्यालय



गलाह नं० १०
Mukesh Chandra Shashi Lal Sharmा
०११०० सर्जन
इंडिया, मुमुक्षु विद्यालय
मुमुक्षु विद्यालय



दिनांक १५.०१.२००५ ग्रन्थालय यांनद शासि बिंदु अनुशासित चालक

नाम नं०. ग्रन्थालय यांनद शासि बिंदु

MUKESH C. SINGH
Date
read

G.C.

१०८५
१०८६
१०८७
१०८८
१०८९
१०९०
१०९१
१०९२
१०९३
१०९४
१०९५
१०९६
१०९७
१०९८
१०९९
१०१००

मही १०१० विल्ड च०..... के पुढ़..... तकर.....
भी जल्ला विल्ड १०१०/१०११ को रखाहो ची यही

स० १० प्रथम
गांधियामान